mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-306 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
07 नवंबर 2024 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

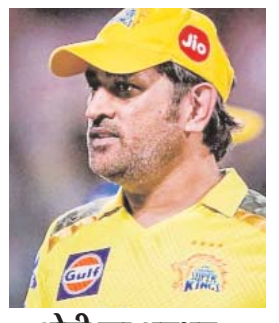

धोनी का अनुभव...
@ पेज 7

मिस्टर प्रेसीडेंट...डोनाल्ड ट्रंप

● अमरीका में एक बार फिर आ गई 'ट्रंप' सरकार ● 132 साल बाद रचा गया इस तरह का इतिहास

● रिपब्लिकन पार्टी को संसद में भी मिला बहुमत ● ट्रंप बोले-भगवान ने मेरी जान इसीलिए बचाई थी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्हें 538 में से 277 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 270 सीटों से 7 ज्यादा हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडीडेट कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 224 सीटें ही जीत पाई। ट्रम्प 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे और 2020 में जो बाइडेन से हार गए थे। ताजा नतीजों के बाद ट्रम्प दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहले राजनेता हैं, जो 4 साल के गैप के बाद दोबारा राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला कैंडीडेट को हराया है। दिलचस्प फैक्ट यह भी है कि 2016 और 2024 के अलावा कभी भी कोई महिला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ी है। दोनों ही बार ट्रम्प ही चुनाव जीते हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के साथ संसद के दोनों सदन सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के भी चुनाव हुए हैं। सीनेट में 100 सीटें हैं। इसकी एक तिहाई सीटों पर हर 2 साल में चुनाव होते हैं। इस बार 34 सीटों पर चुनाव हुए। ताजा नतीजों के साथ रिपब्लिकन पार्टी ने 51 सीटें हासिल कर ली हैं, जो बहुमत के बराबर हैं। इससे पहले उसके पास 49 सीटें थीं। रिपब्लिकन पार्टी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में बहुमत से पीछे है। इसकी 435 सीटों के लिए हर 2 साल में चुनाव होते हैं। बहुमत के लिए 218 सीटें जरूरी होती हैं।

एक बार फिर से अमेरिका को महान बनाऊंगा

जीत के बाद अमेरिकी लोगों को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा- एक बार फिर से अमेरिका को महान बनाऊंगा। भगवान ने मेरी जान इसी दिन के लिए बचाई थी। ट्रम्प पर 13 जुलाई को पेंसिलवेनिया में हमला हुआ था। इसमें एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। हमले में उनकी जान बाल-बाल बची थी। ट्रम्प ने कहा- हमने वो कर दिखाया जो लोगों को असंभव लग रहा था। यह अमेरिका के इतिहास की सबसे शानदार जीत है। मैं देश की सभी समस्याओं को दूर करूंगा, अमेरिकी लोगों के परिवार और उनके भविष्य के लिए लडूंगा। अगले 4 साल अमेरिका के लिए अहम हैं।

7 राज्यों ने कमला को हराया, ट्रम्प को जिताया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति बनने के लिए 7 स्विंग स्टेट्स में जीत हासिल करना जरूरी था। स्विंग स्टेट्स में कुल 93 सीटें हैं। इनमें से सभी पर ट्रम्प ने जीत हासिल कर ली है। ट्रम्प ने कहा,यह पहली बार हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कार के ड्राइविंग लाइसेंस पर भी चला सकेंगे ट्रांसपोर्ट गाड़ी

याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष अदालत ने आज एक कानूनी सवाल पर अपना फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सड़क एक्सीडेंट के लिए केवल लाइट मोटर व्हीकल लाइसेंस रखने वालों को आरोपी नहीं बनाया जा सकता। रोड एक्सीडेंट की और भी दूसरी वजह

हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की पीठ ने लाइट मोटर व्हीकल लाइसेंस धारकों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि ये लोग 7500 किलो से हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन भी चला सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही 2017 में दिए फैसले को बरकरार रखा है। इस समय कोर्ट ने कार लाइसेंस रखने वालों को 7500 किलो से कम परिवहन वाहनों को चलाने की अनुमति प्रदान की थी।

अकबरुद्दीन ओवैसी ने फिर किया '15 मिनट' का जिक्र

● 2012 में कहा था-15 मिनट के लिए पुलिस हटा लो

संभाजीनगर (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी मंगलवार को संभाजीनगर (औरंगाबाद) में चुनाव प्रचार कर रहे थे। इस दौरान अकबरुद्दीन ने कहा- कैंपेनिंग का टाइम

है 10 बजे, अभी 9.45 बजे हैं, अभी 15 मिनट बाकी हैं...चुनावी सभा में आए लोगों से अकबरुद्दीन ने कहा, अरे भाई 15 मिनट बाकी है, सब्र करिए, न वो मेरा पीछा छोड़ रही है, न मैं उसका पीछा छोड़ रहा हूं। चल रही है, मगर क्या गूंज है। औवेसी के इस विवादित बयान को 12 साल पहले दिए गए भाषण से जोड़ा जा रहा है। दरअसल, 2012 में भी अकबरुद्दीन ने 15 मिनट वाला भड़काऊ बयान दिया था। तब कहा था- देश से 15 मिनट के लिए पुलिस हटा दो तो पता चल जाएगा, कौन ताकतवर है।

सरकारी कर्मी और जजों पर केस चलाने से पहले लेनी होगी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि सरकारी अधिकारियों और जजों के खिलाफ उनकी पब्लिक ड्यूटी के दौरान हुए कथित अपराध के मामले में उन पर पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत तहत केस चलाने के लिए सरकार से मंजूरी लेनी होगी। सीआरपीसी की धारा-197 (1) के तहत प्रावधान है कि सरकारी कर्मी के खिलाफ केस चलाने के लिए सरकार के संबंधित अथॉरिटी से मंजूरी लेनी होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी का यह प्रावधान पीएमएलए केस में भी लागू होता है। सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना हाई कोर्ट के फैसले को ईडी ने चुनौती दी थी। जिसमें हाई कोर्ट ने एक आईएएस अधिकारी के खिलाफ बिना स्वीकृति के केस चलाए जाने को खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट के फैसले को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस ओका की अगुवाई वाली बेंच ने सुनवाई की।

एयरपोर्ट्स पर कृपाण नहीं पहन सकेंगे सिख कर्मचारी

जत्थेदार बोले-

यह धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन

अमृतसर (एजेंसी)। भारत के एयरपोर्ट्स पर सिख कर्मचारी कृपाण नहीं पहन सकेंगे। इसको लेकर 30 अक्टूबर को द ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन ने ऑर्डर जारी किए थे। एजेंसी ने अपने आदेश में कहा कि एयरपोर्ट्स पर कार्यरत सिख कर्मचारियों को सुरक्षा के मद्देनजर कृपाण नहीं पहन सकेंगे। एक दिन पहले ही सभी एयरपोर्ट्स के कर्मचारियों को यह गाइडलाइन मिली। एजेंसी की तरफ से कहा गया है कि सिक्योरिटी प्रोटोकॉल की वजह से ये आदेश जारी किए गए। जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने इस निर्णय की आलोचना करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि सिख धर्म में कृपाण एक पवित्र प्रतीक है और इसे धारण करना एक धार्मिक अधिकार है।

ट्रंप की जीत पर पीएम मोदी ने खास अंदाज में दी बधाई

ऐतिहासिक जीत पर बधाई मेरे दोस्त...

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में एक बार फिर से डोनाल्ड ट्रंप का जादू चल गया। उन्होंने कमला हैरिस को हराते हुए राष्ट्रपति चुनाव को जीत लिया है। इस जीत के साथ ही वो अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। डोनाल्ड ट्रंप की इस ऐतिहासिक जीत पर पीएम मोदी ने भी उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई है कि ट्रंप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे भी जारी रखेंगे। दोनों नेताओं के बीच भारत-अमेरिका

संबंधों को और मजबूत बनाने पर भी चर्चा होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया कि मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए तत्पर हूं।

यूपी में भीषण सड़क हादसा

10 लोगों की मौत

हरदोई (एजेंसी)। हरदोई में डीसीएम (ट्रक) ने ऑटो को रौंद दिया। हादसे में 10 लोगों की मौत

हरदोई जिले का मामला, सड़क पर दूर तक बिखरी पड़ी थीं लाशें

ऑटो पलटा तो तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदा, ऑटो की पूरी छत उड़ गई

हो गई। 5 गंभीर हैं। मरने वालों में 6 महिलाएं और 2 बच्चे भी हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो उछलकर दूर जा गिरा। पूरी छत उड़ गई। अंदर बैठी सवारियां बाहर आ गिरीं। सड़क पर लाशें बिखर गई। हादसा बुधवार दोपहर बिलग्राम थाना के रोशनपुर गांव के पास हुआ। पुलिस का कहना है- ऑटो बिलग्राम की तरफ जा रहा था। अचानक बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया, तभी सामने से आ रहे डीसीएम ने ऑटो को रौंद दिया। घटना के बाद डीसीएम चालक भाग गया। एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया- दोपहर 12.30 बजे हादसे की सूचना मिली। मैं मौके पर पहुंचा। घायलों को अस्पताल भिजवाया। ऑटो में 15 लोग सवार थे। इस वजह से हादसा हुआ।

आज पटना में होगा शारदा सिन्हा का अंतिम संस्कार

● घर पर दर्शन के लिए रखी गई पार्थिव देह

पटना (एजेंसी)। बिहार की मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा का पार्थिव शरीर पटना के राजेन्द्र नगर स्थित आवास पर लाया गया है। सीएम नीतिश कुमार ने घर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कल (गुरुवार) को उनका अंतिम संस्कार पटना के गुलबी घाट पर राजकीय सम्मान के साथ होगा। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार शाम शारदा सिन्हा के राजेन्द्र नगर स्थित घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। मंगलवार रात दिल्ली एम्स में शारदा सिन्हा का निधन हो गया। वे 72 साल की थीं। छठ के गाए उनके गीत बेहद मशहूर हुए और इस पर्व के पहले ही दिन उन्होंने अंतिम सांस ली। दिल्ली एम्स ने बताया कि सेप्टिसीमिया (ब्लड इंफेक्शन) की वजह से शारदा सिन्हा की मौत हुई। 26 अक्टूबर को तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था।

जेके विधानसभा में 370 बहाल करने का प्रस्ताव पास

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र के तीसरे दिन अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव पास किया गया। बीजेपी विधायकों के विरोध के बीच डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार चौधरी यह प्रस्ताव विधानसभा में रखा, जिसे सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का समर्थन मिला। बीजेपी विधायकों ने इसे राष्ट्रविरोधी एजेंडा बताते हुए 5 अगस्त जिंदाबाद और जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह कश्मीर हमारा है के नारे लगाए। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया कि अब्दुल्ला परिवार और नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों को भावनात्मक तौर पर ब्लैकमेल करने के लिए यह प्रस्ताव पास किया है, जबकि अनुच्छेद 370 हटाने का फैसला फाइनल है। 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेश में बांटने का फैसला किया था। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। 11 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने पांच जजों की पीठ ने केंद्र के फैसले को बरकरार रखा था। पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने घोषणापत्र में पूर्ण राज्य का दर्जा लेने और अनुच्छेद 370 को बहाल करने का वादा किया था।

● बीजेपी विधायकों ने लगाए '5 अगस्त जिंदाबाद' के नारे

तीन शादी, 5 बच्चे, रियल एस्टेट किंग

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के पिता का नाम फ्रेडरिक सी ट्रंप है। फ्रेडरिक सी ट्रंप न्यूयॉर्क के रियल स्टेट डेवलपर और कारोबारी थे। डोनाल्ड ट्रंप की मां का नाम मैरी ए मैकक्लियोड है। डोनाल्ड ट्रंप कुल पांच भाई-बहन हैं। रॉबर्ट एस ट्रंप ने 2016 में राष्ट्रपति पद के चुनाव के वक्त अपने भाई डोनाल्ड का समर्थन किया था जबकि इस साल छपी अपनी किताब में फ्रेडरिक जूनियर के बेटे फ्रेड ट्रंप ने अपने चाचा डोनाल्ड को अपने परिवार में घृणित व्यक्ति बताया था। डोनाल्ड ट्रंप की पहली शादी इवाना ट्रंप से हुई थी। वह चेक-अमेरिकी मॉडल और कारोबारी थीं। डोनाल्ड ट्रंप की इवाना से शादी 1977 से 1992 तक चली। इस दौरान उनके तीन बच्चे हुए। जिनके नाम डोनाल्ड जूनियर, एरिक और इवांका हैं। इवाना की 2022 में मौत हो गई थी। डोनाल्ड ट्रंप की दूसरी पत्नी एवट्रेस और मॉडल मार्ला मेपल्स थीं। इस शादी से डोनाल्ड की एक बेटी हुई जिसका नाम टिफनी ट्रंप है। आखिरी शादी मेलानिया ट्रंप से 2005 में हुई थी।

शिंदे की 10 गारंटी, किसानों का होगा लोन माफ

महायुति का विजन महाराष्ट्र

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम ने महायुति गठबंधन के घोषणा पत्र के 10 प्रमुख वादों का ऐलान किया। मंगलवार को कोल्हापुर में जनसभा के दौरान उन्होंने कहा कि विजन महाराष्ट्र 2029 के लिए सरकार बनने के 100 दिनों के भीतर इन वादों को पूरा किया जाएगा। शिंदे ने कहा कि महायुति का पूरा घोषणा पत्र आने वाले दिनों में सार्वजनिक किया जाएगा। इस दौरान महाराष्ट्र के दोनों डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी मौजूद थे। महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को वोटिंग है और 23 नवंबर को रिजल्ट

25 लाख नौकरियां,छात्रों को 10 हजार रुपए महीने का भी वादा

घोषित होगा। प्रमुख वादों में लाड़ली बहन योजना की राशि 1500 से बढ़ाकर 2100 करना, बिजली बिलों में 30 फीसदी तक की कमी, वृद्धावस्था पेंशन की राशि 1500 से 2100 रुपए करना, 25 लाख नौकरियां देने का वादा शामिल है। शिंदे बोले- कांग्रेस खटाखट करती रही, एक रुपया नहीं दिया, हमने पटापट पैसे डाले। उन्होंने कहा था- मेरी लाडली बहना से पूछिए कि क्या उन्हें 1500 रुपए से फायदा हो रहा है। मैं एक गरीब किसान परिवार से हूं।

संक्षिप्त समाचार

सिंहस्थ में बिजली व्यवस्था के लिए 62 करोड़ की लागत से चार नए ग्रिड, नई विद्युत लाइनें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सिंहस्थ 2028 की तैयारी कर रही है। स्थाई प्रकृति के 62 करोड़ के कार्यों को मंजूरी मिल गई है। वृत्त स्तर पर इसकी तत्काल तैयारी भी प्रारंभ कर दी गई हैं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि सिंहस्थ के लिए होने जा रहे नए विद्युत कार्यों से सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही उज्जैन शहर और उज्जैन ग्रामीण के बिजली उपभोक्ताओं को भी सुविधा होगी और कम वोल्टेज की शिकायत नहीं रहेगी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि करीब 30 करोड़ की लागत से उज्जैन और आसपास 33/11 केवी के चार अत्याधुनिक बिजली ग्रिड बनेंगे। ये ग्रिड नानाखेड़ा इंदौर रोड स्टेडियम के पास, चारधाम मंदिर महाकाल लोक के पास, सदावल उज्जरखेड़ा हनुमान मंदिर के पास और वाल्मीकि धाम क्षेत्र में बनेंगे। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इसी तरह 18 करोड़ 36 लाख रूपये से 11 केवी लाइन एवं इंटर कनेक्शन व नवीन उपकेंद्र से संबंधित 80 किलोमीटर लाइनों का कार्य होगा। साथ ही 4 करोड़ 50 लाख से 33 केवी लाइन एवं इंटर कनेक्शन, नवीन उपकेंद्र से संबंधित 10 किलोमीटर लाइन का कार्य होगा। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इसी के साथ ही सिंहस्थ की तैयारी के लिए मंजूर बजट से ओंकारेश्वर में भूमिगत केबल लगाने का कार्य होगा, इस कार्य पर 10 करोड़ से ज्यादा की राशि व्यय होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेना के जवान की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में ड्यूटी के दौरान बस दुर्घटना में आगर-मालवा जिले के श्री बद्रीलाल यादव के असामयिक निधन पर दुख व्यक्त किया है। श्री बद्रीलाल यादव 63 राष्ट्रीय राइफल में नायक के पद पर पदस्थ थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नायक श्री बद्रीलाल यादव को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा प्रदेश शहीद जवान के परिवार के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार जन को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

लोक शिक्षण संचालनालय ने दिये आदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त शासकीय विद्यालयों के शाला प्रभारियों को जीएफएमएस पोर्टल पर नामांकन एवं रिक्तियों की जानकारी 6 नवम्बर तक अनिवार्य रूप से अपडेशन करने के निर्देश जारी किये है।लोक शिक्षण संचालनालय से निर्देशों में कहा गया है कि प्रत्येक शाला प्रभारी की लॉग-इन से अध्ययनरत् छात्र संख्या की जानकारी कक्षा एवं विषयवार दर्ज की जायें। प्रत्येक शाला में विद्यार्थी संख्या एवं सेक्शन के आधार पर शाला प्रभारी द्वारा आवश्यक रिक्तियों को नियत तिथि तक अनिवार्य रूप से अपडेशन किया जाये। नियत समय पर अपडेशन न होने पर अतिथि शिक्षक उपलब्ध नहीं कराये जा सकेंगे। यदि किसी शाला में शाला प्रभारी का नाम दिखाई नहीं दे रहा है, तो जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी और बीआरसी को अवगत कराकर शाला प्रभारी के रूप में दर्ज कराया जायें। यह सभी जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग के अतिथि शिक्षक पोर्टल पर अपडेट की जा सकेगी।

आयवीआरआई की रिपोर्ट अनुसार मृत हाथियों के विसरा में मिला साइक्लोपियाज़ोनिक एसिड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उमरिया जिले के बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में खितौली और पतौर रेंज में 29 अक्टूबर को हाथियों के मृत पाये जाने की घटना हुई थी। इसके संबंध में मृत हाथियों के विसरा विज्ञान प्रयोगशाला में भेजे गये थे। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव श्री एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि 5 नवम्बर को मृत हाथियों की विसरा सैम्पल की विषाक्तता रिपोर्ट केन्द्र सरकार के आयवीआरआई बरेली उत्तर प्रदेश से प्राप्त हुई है। रिपोर्ट के अनुसार मृत हाथियों के विसरा में साइक्लोपियाज़ोनिक एसिड पाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भी पता चलता है कि हाथियों ने बड़ी मात्रा में खराब कोदो पौधे/अनाज खाये हैं। नमूनों में पाये गये साइक्लोपियाज़ोनिक एसिड की विषाक्तता की वास्तविक गणना और आगे की जा रही है। आयवीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार नाइट्रेट-नाइट्राइट, भारी धातुओं के साथ-साथ ऑर्गनों-फॉस्फेट ऑर्गनो-क्लोरीन, पाइरेथ्रोइड और कीटनाशकों के कार्बामेट समूह की उपस्थिति के लिये नकारात्मक पाई गई है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव श्री कृष्णमूर्ति ने बताया कि आयवीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में आसपास के क्षेत्रों में ध्यान रखने के लिये एडवायजरी भी जारी की है।

स्काई डाइविंग फेस्टिवल 9 नवम्बर से उज्जैन में-राज्य मंत्री श्री लोधी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने की मंशानुरूप म.प्र. टूरिज्म बोर्ड द्वारा डाइविंग फेस्टिवल के चौथे संस्करण का आयोजन उज्जैन में 9 नवंबर से किया जा रहा है। उज्जैन में तीन माह के लिये पर्यटकों को 10 हजार फीट की ऊंचाई से छलांग लगाकर महाकाल की नगरी को देखने का रोमांचकारी अनुभव मिल सकेगा। यह बात संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताई। राज्य मंत्री श्री लोधी ने बताया कि संस्था द्वारा उच्चतम मानकों के साथ प्रशिक्षित स्काई डाइवर के सहयोग से स्काई डाइविंग कराई जायेगी। यह पूर्णतः सुरक्षित है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि स्काई-डाइविंग फेस्टिवल के तीन संस्करण की सफलता एवं एडवेंचर गतिविधि के प्रति पर्यटकों के उत्साह को देखते हुए इस वर्ष उज्जैन में चतुर्थ संस्करण (तीन माह के लिए) आयोजन किया जा रहा है।

उज्जैन में दताना एयरस्ट्रिप पर एडवेंचर लवर्स आसमान में उड़ने के रोमांच का अनुभव कर पाएंगे। स्काई डाइविंग करने का समय सुबह

8 से शाम 5 बजे तक रहेगा। बुकिंग पर की जा सकती है। इस संस्करण में आयोजक संस्था Sky-high India द्वारा स्पेशल स्काई-डाइविंग Aircraft New CESSNA 18wP (fully modified for sky-diving) Aircraft द्वारा स्काई डाइविंग हेतु प्रयोग किया जायेगा, जिसकी क्षमता कुल 6 सदस्यों की है, जिसमें एक बार में 2 प्रतिभागी, 2 Instructors के साथ स्काई डाइविंग कर सकेंगे। तीन माह में 1000 से अधिक प्रतिभागियों के सम्मिलित होने की संभावना है। भविष्य में स्काई-डाइविंग के साथ अन्य एयरबेस्ड गतिविधि भी संचालित की जावेंगी।

आधुनिक और बेहद सुरक्षित होगी राईडः स्काई डाईविंग का संचालन डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डी.जी.सी.ऐ) एवं यूनाइटेड स्टेट पैराशूट एसोसिएशन (यू.एस.पी.ए.) SPA द्वारा प्रमाणित संस्था स्काई-हाई इंडिया द्वारा किया जा रहा है। स्काई डाइविंग में उपयोग किए जाने वाला एयरक्राफ्ट नागरिक विमानन निदेशालय से पंजीकृत है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का दो दिन का राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक आयोजन प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति द्वारा वित्त पोषित 63 एकलव्य आवासीय विद्यालय मध्यप्रदेश में संचालित हैं। इन विद्यालयों में लगभग 25 हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत होकर अपनी सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभाओं एवं क्षमताओं को निखार रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा भी इन विद्यार्थियों के कौशल संवर्धन एवं दक्षता उन्नयन के लिये निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति द्वारा हर साल राष्ट्र स्तरीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन देश के विभिन्न राज्यों में किया जाता है। इसी अनुक्रम में विद्यालय स्तर, जिला स्तर एवं जोन स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके पश्चात एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भोपाल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह के मुख्य आतिथ्य में इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए सभी विधाओं के प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन किया गया और उन्हें भविष्य में होने वाली राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने के लिये प्रेरक उद्बोधन देकर शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर देश के प्रख्यात संगीत साधक, ध्रुपद गायक पद्मश्री श्री उमाकांत गुंदेचाजी, प्रख्यात रंगकर्मी श्री राजीव वर्मा, अपर संचालक जनजातीय कार्य श्रीमती सीमा सोनी, संभागीय उपायुक्त भोपाल संभाग श्री एन.एस. वरकड़े सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी बच्चे उपस्थित थे।

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को 4 जोन में वर्गीकृत किया गया है।

कमेन्डेशन डिस्क'' एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित हुए 46 वनकर्मी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले वनकर्मियों को स्थापना दिवस के अवसर पर वन भवन में अलंकरण समारोह में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव ने 46 वनकर्मियों को कमेन्डेशन डिस्क'' एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सम्मानित वनकर्मी दूसरों को प्रेरणा देने का काम करेंगे। इससे जिन वनकर्मियों को सम्मान प्राप्त नहीं हुआ है, उन्हें प्रेरणा मिलेगी। भविष्य में वनकर्मी समाज एवं वन विभाग के लिये अनुकरणीय कार्य करने के लिये आगे आयेंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन बल प्रमुख श्री श्रीवास्तव ने कहा कि समर्पण और कड़ी मेहनत से आत्म-विश्वास को बढ़ावा मिलता है। वनकर्मियों ने अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए समाज और संस्था को गौरवान्वित किया है। उन्होंने सम्मानित वनकर्मियों को शुभकामनाएँ दीं। वनकर्मियों द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में इन विषयों में अनुकरणीय कार्य किये गये हैं, जिसमें गंभीर वन अपराध, अवैध शिकार, अवैध कटाई, अवैध उत्खनन एवं अतिक्रमण, प्रतिबंधक तथा निरोधक कार्य किये जा रहे हैं।

स्व-सहायता समूह ने बदली मंजूलता की ज़िन्दगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन महिलाओं को स्व-सहायता समूह से जोड़कर उनकी क्षमतावृद्धि कर रहा है। मिशन में महिलाओं को आर्थिक मदद देकर आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में कटनी जिले के ग्राम बण्डाट की मंजूलता हल्दकार भी हैं, जो आज समूह से जुडकर खुशहाल रूप में जीवन यापन कर रही है। मंजूलता कहती हैं कि वे स्वयं सहायता समूह से जुडने पूर्व मजदूरी करके जीवन यापन करती थी। आय का सशक्त साधन न होनें के कारण, यदि उन्हें अचानक किसी कार्य के लिए पैसों की जरूरत पड़ जाती थी, तो उसकी व्यवस्था करनें में काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। यदि कहीं से पैसे ब्याज पर मिलते भी थे तो उसकी ब्याज दर ज्यादा होने के कारण उसे चुका पाना संभव नहीं था। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के फायदों को समझकर मंजूलता ने भी अपने आर्थिक स्तर की 14 महिलाओं को जोडकर जागृति स्व-सहायता समूह बनाया। समूह

की सदस्य बनी सभी महिलाओं ने प्रत्येक सप्ताह 10 रूपये से बचत करना प्रारंभ किया। प्रथम ग्रेडिंग के रूप में प्राप्त 14 हजार रुपये एवं उसके पश्चात् समूह को सीआईएफ राशि 50 हजार ग्राम संगठन से प्राप्त हुई। प्राप्त राशि की मदद लेकर मंजूलता ने कृषि कार्य को बढ़ावा दिया। साथ ही उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से सब्जी उत्पादन का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। मंजूलता ने खेत में टमाटर, बैगन, मिर्च, लौकी, खीरा, हल्दी और अदरक की व्यावसायिक खेती करना शुरू किया। सब्जी लगाकर उन्होंने अच्छी फसल उगाई जिससे उनके परिवार की आय में वृद्धि होने लगी है। आज मंजूलता आपने साथ ग्राम के अन्य लोगों को भी सब्जी उत्पादन की समझाईश देती हैं।

चीता परियोजना कॉरिडोर प्रबंधन के लिये मध्यप्रदेश एवं राजस्थान सरकार की संयुक्त समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश एवं राजस्थान सरकार के मध्य चीता परियोजना के लिये कॉरिडोर प्रबंधन के संबंध में संयुक्त समिति गठित की गयी है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्य-जीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान को समिति का संयुक्त अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-प्राणी मध्यप्रदेश-राजस्थान, संचालक सिंह परियोजना चीता प्रोजेक्ट शिवपुरी, क्षेत्र संचालक/संचालक/मुख्य वन संरक्षक संबंधित टाईगर रिजर्व/वन वृत्त राजस्थान, वन मण्डलाधिकारी, कूनो राष्ट्रीय उद्यान श्योपुर, वन मण्डलाधिकारी क्षेत्रीय वन मण्डल संबंधित जिला, राजस्थान, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रतिनिधि मध्यप्रदेश एवं राजस्थान और भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून द्वारा नामांकित प्रतिनिधि को समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। समिति द्वारा चिन्हित चीता संरक्षण परिदृश्य में चीता के भ्रमण के लिये कॉरिडोर के विकास और प्रबंधन के अध्ययन के लिये मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच एमओयू पर चर्चा कर तैयार करना, राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य क्षेत्र में दोनों राज्यों से जुड़े क्षेत्रों, जिनमें कूनो और रणथंबौर आदि शामिल हैं, उनमें संयुक्त पर्यटन मार्गों की संभावनाओं का मूल्यांकन करना, अधिकारी और फ्रंट-लाइन कर्मचारी, जो कूनो से राजस्थान तक मौजूदा कॉरिडोर के माध्यम से भ्रमण करने वाले चीतों के प्रबंधन के लिये निगरानी, गश्त और अन्य कार्यों में कार्यरत हैं।

भारत भवन में आयोजित 'नृत्य में अद्वैत' कार्यशाला के दूसरे दिन हुई विभिन्न गतिविधियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कला या अन्य सभी विद्याओं को सीखने के लिए शिष्य में शरणागति का भाव जरूरी है। नवधा भक्ति, नारद भक्ति सूत्र सहित शास्त्रों में भी शरणागति की विशेष महिमा बताई गई है। शैव सिद्धांत में भी शरणागति महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ही हम उपासना के सबसे निकट होते हैं।

यह बात वरिष्ठ नृत्यांगना डॉ. पद्मजा सुरेश ने नृत्य में अद्वैत कार्यशाला में आयोजित शरणागति सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही। डॉ. पद्मजा ने कहा कि नृत्य एक सहज साधना है। साधना हमें आंतरिक रूप से प्रकाशित करती है। नाट्य साधना के द्वारा ही चेतना की उच्चतम अवस्था तक पंहुचा जा सकता है। चर्चा सत्र में डॉ. पद्मजा ने कहा कि नृत्य के माध्यम से स्थूल से सूक्ष्म शरीर की ओर बढ़ते है।

इस दौरान उन्होंने नाट्य में अभय मुद्रा का उदारहण देते हुए कहा कि अभय, अद्वैत का प्रतीक है और कला, महामाया का चिन्मय विलास है। अंत में डॉ. पद्मजा ने रसामृत में कृष्ण को शक्ति बताते हुए नृत्य के सभी रूपों में नृतक तथा नायिका के भावों को विस्तार दिया। उल्लेखनीय है कि आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मप्र पर्यटन निगम और भारत भवन न्यास, संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चल रही तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन नृत्य में अद्वैत विषय पर विभिन्न सत्र हुए।

सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए भरतनाट्यम नृत्यांगना, कोरियोग्राफर डॉ. रेवती रामचंद्रन ने कहा कि इस तरह के आयोजन मन को विस्तारित करते हैं। यह हमारे आंतरिक एवं आध्यात्मिक विकास में उपयोगी है। उन्होंने कहा कि जब तक हम नृत्य करते हैं तो देह भाव से ऊपर उठकर अपनी पहचान को विलोपित कर देते हैं। कलाकार मंच पर सृष्टिकर्ता की भूमिका में होता है, जो अपनी रचनात्मकता से कला का निर्माण करता है। डॉ. रेवती ने कहा कि भारत में कला परम्परा दर्शकों के उत्थान के लिए है और कलाकार की यही प्राथमिकता भी होना चाहिए,जैसी दृष्टि होती है, वैसी सृष्टि दिखाई देती है। कार्यशाला के अगले सत्र में चिन्मय मिशन कोयंबटूर की प्रमुख स्वामिनी विमलानंद सरस्वती ने कहा कि कला का सौन्दर्य आनंद में है।

एक करोड़ 24 लाख के सात विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र में एक करोड़ 24 लाख के सात विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि क्षेत्र में विकास की रफ्तार यूं ही जारी रहेगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने इंद्रपुरी के सी सेक्टर में 45 लाख रुपए लागत की बीमा हॉस्पिटल से चीनी टाइल्स तक सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। उन्होंने श्री दुर्गा मंदिर इंद्रपुरी सेक्टर ए में लगभग 7 लाख रुपए की बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। कर्मवीर नगर में 22 लाख रुपए लागत के कम्युनिटी हॉल के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नरेला शंकरी में भवानीधाम के अपोजिट

साइड पर 8 लाख रुपए लागत के आरसीसी नाली निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। इसके साथ ही साई धाम कॉलोनी में 14 लाख रुपए लागत की सीसी रोड और रिटेनिंग वाल का भूमि-पूजन किया। इसकी नीरजा नगर फेस-2 के सामने पार्क में 9 लाख रुपए लागत के प्लेटफार्म शेड और एक्यूप्रेशर ट्रैक के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। पार्षद श्रीमती उर्मिला मोर्य, श्रीमती शिरोमणि शर्मा, श्रीमती ममता विश्वकर्मा, श्रीमती छाया ठाकुर, श्री जीत राजपूत, श्री मनोज विश्वकर्मा, श्री छोटू पंडित, श्री लवकुश यादव, श्री भीकम सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

न्यायोत्सव : विधिक सेवा सप्ताह-2024

विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में रंगोली, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता के साथ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में 04 नम्बर 2024 से 09 नम्बर 2024 तक न्यायोत्सव: विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है, इसी तारतम्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा बुधवार 06 नम्बर 2024 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रं. 01 तथा शासकीय कन्या महाविद्यालय, विशेष आवासीय छात्रों के साथ मधुरी, विनय सी.पी.सी.टी. सेंटर जिला सीधी में चित्रकला, निबंध, नुक्कड़ नाटक, क्विज प्रतियोगिता का आयोजन 1. भारतीय संविधान में दिये गये मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य 2. शिक्षा का अधिकार 3. स्वच्छ भारत विषय पर किये जाने के साथ विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक बालक अथवा बालिका को किसी व्यक्ति से असुरक्षित स्पर्श महसूस होने पर इसका विरोध करना चाहिए। शुक्ला द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी के साथ गुड टच एवं बैड टच की जानकारी दी गई।

शिविर में देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, शंभुनाथ त्रिपाठी प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रं. 01, विपिन त्रिपाठी अधीक्षक विशेष आवासीय परिसर मधुरी, विनय तिवारी पैरालीगल वॉलेंटियर, रश्मि तिवारी पैरालीगल वॉलेंटियर, रूपेन्द्र कुमार मिश्रा सहायक ग्रेड-3 के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इसी के साथ-साथ व्यवहार न्यायालय चुरहट में नृपेन्द्र सिंह परिहार व्यवहार न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति चुरहट तथा विजया विश्वकर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चुरहट की अध्यक्षता में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहनिया में निबंध प्रतियोगिता के साथ ही विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

साथ ही व्यवहार न्यायालय रामपुर नैकिन में परमानंद सनोडिया व्यवहार न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति रामपुर नैकिन की अध्यक्षता में सी.एम. राईस विद्यालय में रंगोली, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

ताला वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में 04 नम्बर 2024 से 09 नम्बर 2024 तक न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में मंगलवार 05 नम्बर 2024 को व्यवहार न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति मझौली दीपक कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा ग्राम ताला में स्थित कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में व्यवहार न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति मझौली दीपक कुमार अग्रवाल प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। अग्रवाल ने माता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 की उपयोगिता का वर्णन किया एवं वृद्धजनों से चर्चा कर उनकों उनके आगामी जीवन के प्रति प्रोत्साहित किया। शिविर में जानकारी देते हुये जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह के बारे में जानकारी दी।

उक्त आयोजित शिविर में देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा चीफलीगल एड डिफेंस काउंसिल, बाबूलाल सिंह डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, डॉ. कृष्णा कोल चिकित्सा अधिकारी, प्रदीप सोनी फार्माशिष्ट, आर.एस.वर्मा अथ्लेटिक असिस्टेंट, रामधनी कोल एन.एम.ए., पैनल अधिवक्ता श्याम कार्तिक पाण्डेय, कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम समिति के अध्यक्ष शिवमणि तिवारी, सचिव रामसिया वैश्य, उपसचिव हरगोविन्द वैश्य एवं उनकी संस्था का समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। शिविर में आश्रम में निवासरत कुल 25 वृद्धजनों की जांच की गई जिसमें मधुमेह, रक्तचाप एवं अन्य सामान्य जांचें शामिल है।

पुलिस ने जुआ सट्टा खेलते 26 आरोपियों को दबोचा, 73940 रूपये की जप्ती

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस ने शहर मे चल रहे अबैध जुआ सट्टा खेलने वालो के विरूद्ध पृथक पृथक कार्यवाही कर कुल 26 आरोपियों को पकड़कर 6 प्रकरण तैयार कर उनके कब्जे से 23940 रूपये नगदी सहित एक मोटरसायकल कीमत 50 हजार कुल अनुमानित कीमत 73940 रूपए जप्त किया गया। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर बताया गया कि ग्राम जोगीपुर में अबैध जुआ की मुखविर सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपियान बीरेन्द्र सिंह पिता लल्ली सिंह उम्र 60 वर्ष निवासी उपनी, बालेन्द्र प्रसाद व्दिवेदी पिता संतोष प्रसाद व्दिवेदी उम्र 39 वर्ष निवासी विसेंधा टोला गाड़ा थाना कोतवाली सीधी, आकाश गुप्ता पिता पितांम्बरदास गुप्ता उम्र 28 वर्ष निवासी सर्वोदय चौक सीधी, रजनीश प्रसाद शर्मा पिता सत्यप्रसाद गुप्ता उम्र 39 वर्ष निवासी गाड़ा थाना कोतवाली सीधी के बताये। तथा मौके से भागे जुंआरी का नाम रावेन्द्र सिंह पिता मणिराज सिंह निवासी जोगीपुर बताये है। आरोपी गणों का कृत्य धारा 13 जुंआ एक्ट के तहत दण्डनीय पाये जाने से जुआरियान के फड़ से कुल राशि 8310 रूपये एवं तास के 52 पत्ते तथा एक नग मोटर सायकल जप्त किया गया। वहीं दूसरे प्रकर में चकदही में अबैध जुआ की मुखविर सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपियान अवनीश कुमार शुक्ला उर्फमंनू पिता मूलचन्द्र शुक्ला उम्र 40 साल निवासी अमिलिया सीधी, अनिल स्वीपर पिता अशोक स्वीपर उम्र 29 साल निवासी इन्द्रानगर, संजू केवट पिता छोटेलाल केवट उम्र 40 साल निवासी डैनिहा कोतवाली सीधी को पकड़कर फड़ एवं कब्जे से कुल 3160 रूपए जप्त किया गया। तीसरे प्रकरण में गांधी चौक पार्किग स्थल पर जुआ खेलने की मुखविर सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपी चन्द्र प्रताप मिश्रा पिता स्व.अम्बिका प्रसाद मिश्रा उम्र 38 साल निवासी मझरेटी कोठार थाना कोतवाली सीधी एवं मुन्नू साकेत पिता बाबूलाल साकेत उम्र 19 साल निवासी जमोडी खुर्द थाना जमोडी जिला सीधी का होना बताये आरोपी गणो के फड़ एवं तास एवं सामने से 1050 रूपये एवं 52 पत्ते जप्त किया गया। वहीं चौथे प्रकरण के विषय में बताया गया कि मुख्य शाखा स्टेट बैंक के पीछे अबैध जुआ खेलने की मुखविर सूचना के आधार पर रेड कार्यवाही कर आरोपियान मंकू भुजवा पिता खेताई भुजवा उम्र 30 वर्ष निवासी नौगवां थाना जमोड़ी जिला सीधी, अनिल गायकवाड़ पिता प्रकाश गायकवाड़ उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड ₹ मांक 04 हिरननाला सीधी, बुद्धसेन केवट पिता समयलाल केवट उम्र 35 वर्ष निवासी पिपरोहर हाल बनिया कालोनी सीधी, राजू साहू पिता कल्लू साहू उम्र 34 वर्ष निवासी पड़रा थाना जमोड़ी जिला सीधी को फड से पकड़कर उनके कब्जे एवं फड़ से कुल 2500 रूपये मिले तथा 52 तास के पत्ते जप्त किया गया। जबकिं पॉचवे प्रकरण के विषय में बताया कि पुरानी सीधी मे अबैध जुआ की मुखविर सूचना पर रेड कार्यवाही कर जुआ खेलते हुए आरोपियान कुलदीप गुप्ता पिता राजनेन्द्र गुप्ता उम्र 22 साल निवासी पुरानी सीधी, मनोज साकेत पिता श्यामलाल साकेत उम्र 32 साल निवासी पुरानी सीधी, रावेन्द्र सिह पिता पन्नालाल सिह उम्र 42 साल निवासी पुरानी सीधी, पुष्पराज सिह पिता धर्मराज सिह उम्र 55 साल निवासी पुरानी सीधी, मोनू सिह पिता राजबहोर सिह उम्र 41 साल निवासी पुरानी सीधी कोतवाली सीधी का होना बताये तथा तास के 52 पत्ते विखरी हुई तथा फड़ मे से उक्त पांचो के कब्जे से कुल 1420 रूपए जप्त किया गया। छठवें प्रकरण के विषय में कोतवाली पुलिस ने बताया कि पटेलपुल मे अबैध जुआ की मुखविर सूचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपियान मोहम्मद रिजवान पिता फजलू रहमान उम्र 30 वर्ष निवासी सब्जी मंडी सीधी, राजू हलवाई पिता स्व. भगवानदीन हलवाई उम्र 45 वर्ष निवासी नागमंदिर के पास थाना जमोड़ी जिला सीधी, नारायणदास गुप्ता पिता नकछेदीलाल गुप्ता उम्र 44 वर्ष निवासी पुराना हनुमान मंदिर के पास सीधी थाना कोतवाली सीधी, मोहम्मद अयुब पिता फत्ते खान उम्र 62 वर्ष निवासी पटेलपुल सीधी थाना कोतवाली सीधी, रूद्र प्रसाद जायसवाल पिता राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल उम्र 30 वर्ष निवासी आजाद नगर सीधी थाना कोतवाली सीधी, रामकृष्ण कुशवाहा पिता कन्हैयालाल कुशवाहा उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम नेबुहा पश्चिम थाना जमोड़ी जिला सीधी को दस्तयांब कर फड़ एवं सामने से नकदी रकम 7500 रूपये एवं तास के 52 पत्ते जप्त किया गया। आरोपी गणों का उक्त कृत्य धारा 13 जुंआ एक्ट के तहत दण्डनीय पाये जाने से जुआरियान के फड़ के सामने से जप्ती की जाकर पृथक पृथक प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण ने जानकारी देकर बताया है कि पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनांतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए एम.पी. टास पोर्टल पर नवीनीकरण आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। उन्होंने समस्त प्राचार्य शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय को सूचित किया है कि पोर्टल बंद होने के पूर्व समयावधि के अन्दर पात्र छात्रों का छात्रवृत्ति आवेदन अनिवार्य रूप से नियमानुसार एवं पात्रतानुसार भर दिये जायें। उपरोक्त तिथि के पश्चात दोबारा पोर्टल खुलने की प्रतीक्षा न की जाये एवं समयसीमा के अन्दर समस्त छात्रों के आवेदन पत्र भर दिए जावें।

उन्होंने जिले में संचालित समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों को सूचित किया है कि छात्रों को सूचित कर पात्र छात्रों के छात्रवृत्ति आवेदन अनिवार्य रूप से भर दिये जाये एवं प्राप्त आवेदन फार्मों को समयावधि में भेजा जाये ताकि छात्रों के छात्रवृत्ति स्वीकृत एवं वितरण की कार्यवाही नियमानुसार एवं पात्रतानुसार सुनिश्चित की जा सके।

कार्तिकेय मंदिर में 108 बार हुआ हनुमान चालीसा का पाठ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मंगलवार को श्री गुरु बजरंग संघ मातृशक्ति प्रदेश संयोजिका गुड़िया पांडे के मार्गदर्शन में भारत हिंदू राष्ट्र एवं गुरुकुल की स्थापना के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सामूहिक हनुमान चालीसा अभियान चलाकर विश्व व्यापी सफलता हेतु अग्रसर हैं। इसी दौरान कार्तिकेय मंदिर विटरनरी हॉस्पिटल के समीप 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तत्पश्चात महा आरती की गई। उक्त आयोजन में मुख्य रूप से अशोक कुमार यादव पत्नी अंजू यादव, विमला तिवारी, शिवकुमार सिंह, रश्मि रमेश गुप्ता, मीनू सिंह, उर्मिला द्विवेदी, राजेश सिंह चौहान प्रताप मार्बल, विनय सिंह परिहार, विवेक सिंह परिहार सत्य प्रसाद नामदेव, ममता नामदेव आदि भक्तगण उपस्थित रहें।

जिले की प्रतिभाओं को सम्मान देने पर जताया आभार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। चिन्मय मिशन समिति की पूरी टीम को अजीता द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जिले की प्रतिभाओं को सम्मान देने का कार्य इस जयंती के माध्यम से किया हैं। मधुसूदन पैलेस सीधी में चिन्मय मिशन सीधी द्वारा आयोजित महर्षि विश्वामित्र की जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भगवान श्री राम के जीवन की जानकारी लोगों को दी गई जिसमें उनके गुरु विश्वामित्र का पूर्ण सहयोग था। इसी क्रम में मिशन द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को शाल श्रीफल एवं सम्मानपत्र से सम्मानित किया गया। अजीता ने बताया कि अन्य कलाकारों को भी सम्मानित किया गया जिसमें वरिष्ठ समाज सेवी बाला प्रसाद गुप्ता, नरेन्द्र सिंह बघेल कलाकार एवं भारती को भी सम्मान पत्र एवं शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया। साथ ही अन्य कलाकारों को भी सम्मानित किया गया।

सीधी जिले के ग्राम चौपाल कोठार के ग्राम पंचायत में हुई चोरी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। ग्राम चौपाल कोठार थाना जमोड़ी अंतर्गत शोभा यादव सरपंच के द्वारा बताया गया की वर्तमान में चौपाल कोठार में सरपंच पद पर पदस्थ हूं 5 नम्बर 2024 को कार्यालीन कार्य से ग्राम पंचायत भवन चौपाल कोठार गई थी वहां से वापस अपने घर आगई जबकि चौकीदार शिवराज यादव ग्राम पंचायत में 2:00 बजे दिन तक मौजूद था 2:00 बजे के बाद ताला बंद करके वह भी अपने घर चला गया।

चौकीदार द्वारा बताया गया की मंगलवार की रात में की गई चोरी: 6 नम्बर 2024 को सुबह 8:00 बजे चौकीदार शिवराज यादव को वार्ड नंबर 2 के पांच पुष्पराज सिंह गोण द्वारा फोन लगाकर बताया कि ग्राम पंचायत का चैनल गेट खुला हुआ है मुझे भी फोन करके बताया गया तब मैंने भी जाकर देखा वहा ऑफिस का भी ताला टूटा हुआ था ग्राम सभा हॉल में लगी टीवी वा ऑफिस में लगा कंप्यूटर का मॉनिटर वा माउस साथ ही 4 फाइबर की कुर्सी अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई जिसकी रिपोर्ट जमोड़ी थाने में दर्ज कराई गई ।

इनका कहना: जमोड़ी थाना प्रभारी विशाल शर्मा के द्वारा जब इस संबंध में जानकारी ली गई थाना प्रभारी के द्वारा बताया गया कि जल्द ही चोरों।

सभागार मऊगंज मे विभागीय अधिकारी कर्मचारियों की कलेक्टर ने लिए बैठक, सीएम हेल्पलाइन में संतुष्ट पूर्वक निराकरण कराने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज निप्र। कलेक्टर सभागार में आज 6 नवंबर दिन बुधवार को दिन मे 1 बजे से कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव ने समस्त विभागों के अधिकारी कर्मचारियों की बैठक लिऐ। जिसमें उपस्थित सभी अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहां की सीएम हेल्पलाइन पर बेहतर कार्य करें लक्ष्य के अनुरूप प्रथम ग्रेड में मऊगंज जिले को पहुंचाएं,पेंडिंग शिकायतों की परख करें उनके अनुरूप कार्य करें तथा निराकरण में सफलता संभव है। सभी शिकायतें संतुष्ट पूर्वक बंद कराए। कलेक्टर ने कहा कि स्वयं कार्य करें मददगार आपकी मदद करने के लिए होता है पूर्ण रुपेण मददगार के भरोसे सफलता संभव नहीं है। कलेक्टर ने आगे कहा कि लोक निर्माण खाद्यान्न पेंशन हेल्थ महिला बाल विकास, हैंडपंप जैसी शिकायतों का गंभीरता के साथ कार्य करें। नल जल योजना की शिकायतें, प्रधानमंत्री आवास, सड़क का सुधार कार्य करें। पुरानी निराकृत शिकायतों का भी परीक्षण करें। यदि कोई शेष है तो उसे पूर्ण करें सीएम हेल्पलाइन के मामलों को गंभीरता से लेकर कार्य करें।

कलेक्टर ने किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बिजली विभाग को निर्देश दिए हैं कि पूर्ण संतुष्टि के साथ शिकायतों का निराकरण करें शिकायतों की संख्या देखकर दूर भागना नहीं है बल्कि संतुष्टि पूर्वक निराकरण का प्रयास करें। लोगों के बीच पहुंचकर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुए संतुष्टि पूर्वक शिकायतें बंद कराए।वहीं कलेक्टर ने बैठक मे अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में 600 से अधिक शिकायतों का हुआ निराकरण

जनपद मुख्यालयों में हुआ शिकायत निवारण के मेगा कैंप का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। समाधान ऑनलाइन में चयनित शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार बुधवार 6 नवंबर को समाधान दिवस के रूप में मनाया गया। निर्देशानुसार जिले के सभी जनपद मुख्यालयों में शिकायत निवारण के मेगा कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सहित समस्त विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में चिन्हित विषयों से संबंधित शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर तथा विभागीय समन्वय कर 618 शिकायतों को संतुष्टि के साथ निराकृत किया गया। निराकृत शिकायतों में 458 शिकायतें ग्रेडिंग माह तथा 160 शिकायतें पूर्व के माह की रही।

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषय: समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय द्वारा 25 नवंबर 2024 को सीएम हेल्पलाइन के चयनित विषयों, लोकसेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दी जा रही सेवाओं एवं समाधान एक दिवस के विषयों की समीक्षा समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में की जावेगी। राजस्व विभाग की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पंजीयन/राशि के भुगतान से संबंधित एवं भूमि के सीमांकन संबंधी, चिकित्सा शिक्षा विभाग की मेडिकल कालेज में प्रसूति सहायता योजनांतर्गत न्यूनतम राशि न मिलने/कम मिलने/निरस्त हो जाने संबंधी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की हैण्डपम्प के रखरखाव/मरम्मत/विशेष खराबी का निराकरण न होने संबंधी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समग्र आईडी में नवीन परिवार/सदस्यों का नाम जोड़ा जाना अथवा गलत नाम हटाया जाना (समग्र आईडी की गैर तकनीकी समस्या ग्रामीण), लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की नल जल योजना से संबंधित समस्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग खाद्यान्न की मात्रा संबंधी पात्रता अनुसार खाद्यान्न प्राप्त न होने के संबंध में, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की नलजल योजना अंतर्गत पानी प्रदाय किये जाने के संबंध में पंचायती राज, नगरीय विकास एवं आवास विभाग की प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी क्षेत्र) से संबंधित (नगर पालिका/नगर परिषद्/अन्य नगर निकाय), पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सड़क में सुधार कार्य कराया जाना पंचायती राज, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की उपचार न मिलने/विलंब से मिलने/पूर्ण उपचार न मिलने/उपचार के उपरांत फॉलोअप न करने संबंधित जिला अस्पताल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत अनुचित राशि की मांग किये जाने के संबंध में प्रधानमंत्री आवास योजना, ऊर्जा विभाग की विद्युत ट्रांसफार्मर को बदलने से संबंधित, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग राशन दुकान में खाद्यान्न की उपलब्धता (दुकान के आवंटन के अनुरूप खाद्यान्न उपलब्ध न होने के संबंध में) एवं 100 दिवस से लंबित समस्त शिकायतें समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में सम्मिलित हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकन राष्ट्रपति बनने से भारत को होगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मित्रता भारत को विश्व की महाशक्ति बनाने में सहायक होगी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शानदार रिश्ते हैं, जिसके कारण भारत को विश्व की महाशक्ति और विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने में सहयोगी होंगी। सांसद डॉक्टर मिश्रा ने समस्त लोकसभा संसदीय क्षेत्र की जनता की ओर से शुभकामनाएं देते हुए भारत के कल्याण की कामना की है। सांसद डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर विश्व के मानचित्र पटल पर नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे और भारतीयों का जीवन स्तर और ऊंचा उठेगा। उसके साथ ही भारत और अमेरिका के रिश्तो को मजबूती मिलेगी और राष्ट्रवादी ताकते और मजबूत होगी।

विचार

न शर्म न हया–संविधान की रोज हत्या.?

भारतीय आजादी के इस हीरक वर्ष में कभी %विश्वगुरू' का दर्जा प्राप्त हमारा देश अब किसी का %शिष्य' बनने के काबिल भी नही रहा है, यद्यपि हमारे भाग्यविधाता सत्तारूढ़ नेता विश्वभर में जाकर अपनी खुद की प्रशंसा करते नहीं थकते, किंतु वास्तव में हमारी स्थिति उस मयूर जैसी है जो प्रगति के बादल देखकर अनवरत् नाचता है और उपलब्धि के अभाव में बाद में आंसू बहाता है।

आजादी के बाद से हमारे देश में भी राजनीति के अलग-अलग दौर रहे है, जवाहरलाल के जमाने की राजनीति प्रगति की कल्पना पर आधारित थी तो इंदिरा जी के जमाने से सत्ता के लिए सब कुछ करने की राजनीति का दौर शुरू हो गया और उन्होंने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए आपातकाल जैसा कदम उठाया, किंतु आज की राजनीति उसे भी आगे निकल गई है और आज कुर्सी के खातिर संविधान को भी बख्शा नही जा रहा है और वह सब किया जा रहा है, जिससे कुर्सी बची रहे।

ज़लेकिन सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि आजादी के बाद से अब तक सब कुछ बदला किंतु राजनैताओं की सोच और मतदाता की समझ में कोई बदलाव नही आया, आज के राजनेता आजादी के पचहत्तर साल बाद भी चुनाव की उसी लीक पर चल रहे है जो प्रथम चुनाव के समय 1951 में देखी गई थी, आज भी राजनीति वादों और आश्वासनों पर टिकी है और आज के आम मतदाता को राजनेता उसी 1951 वाली नजर से ही देखते है और वैसा ही सलूक करते है, कभी प्रगति और विकास के नाम पर मांगे जाने वाले वोट आज धार्मिक नारों के आधार मांगें जा रहे है, सत्तापक्ष भाजपा यदि आज %बंटेगें तो कटेगें' का नारा लगा रहा है तो प्रतिपक्षी दल %जुड़ेगे तो जीतेगें' को अपनी जीत का माध्यम बना रहा है, यद्यपि सत्ता व प्रतिपक्ष के इन दोनों का मतलब एक ही है, किंतु दोनों का अपने नारों पर विश्वास अलग है, किंतु दोनों के नारों का लक्ष्य वही एक %%कुर्सी'' है। यहां सबसे दुखद यह है कि हमारे संविधान में साफ-साफ लिखा है कि धर्म को राजनीति से बिल्कुल अलग रखेगें, किंतु आज धर्म और राजनीति का इतना समागम कर दिया है कि अब वोटरों के लिए धर्म और राजनीति दोनों को ही सही अर्थो में समझना मुश्किल हो रहा है, किंतु किया क्या जाए? आज जब सत्ता की कुर्सी ही अहम् हो गई है और उसके लिए अपना सर्वस्व लुटा देने वाली राजनीति शुरू हो गई है, तो इसके सामने सभी तर्क और प्रयास गौंण हो गए है और सबसे अधिक चिंता और खेद की बात यह है कि हमारी नई पीढ़ी या भारत के भविष्य को भी इसी तरह की राजनीति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो चिंताजनक है। .और आज की सबसे बड़ी चिंता व फिक्र की तो यह बात है कि सत्ता की घुरी अर्थात् देश के आम मतदाता को तो उसके भाग्य पर छोड़ दिया है और पांच साल में एक बार लुभावने नारों के साथ उसका द्वार खटखटाया जाता है और फिर उसे भगवान के भरोसे छोड़कर आज की राजनीति के भगवान आराध्य देव की तरह साल में केवल चार महीनें नही बल्कि चार साल के लिए मुंह ढंक कर गहरी निद्रा में खो जाते है

डोनाल्ड ट्रंप की इस प्रचंड जीत से दुनिया की सेहत पर क्या बड़ा फर्क पड़ने वाला है?

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीत कर डोनाल्ड ट्रंप ने वो कर दिखाया है जो इससे पहले कोई अमेरिकी नेता नहीं कर सका था। ट्रंप चार साल व्हाइट हाउस से बाहर रहे। तमाम मुकदमे झेले, कोर्टों के चक्कर लगाये, चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर गोली झेली। हम आपको याद दिला दें कि चुनाव प्रचार की शुरुआत में जानलेवा हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे। उस समय गोली उनके कान को छूकर निकल गयी थी लेकिन अमेरिका को महान बनाने का संकल्प लेकर ट्रंप ने लोगों का समर्थन मांगा और उन्हें भरपूर समर्थन मिल भी गया। ट्रंप पिछला चुनाव करीबी मुकाबले में हार गये थे लेकिन इस बार उन्होंने अच्छे अंतर से चुनाव जीत कर साबित कर दिया है कि जनता का विश्वास उनके साथ है।

ट्रंप के रहते आतंकवादी और उनके आका अपने बिल से बाहर निकलने का साहस नहीं जुटा पाते थे लेकिन पिछले चार सालों में दुनिया में आतंक बढ़ा और अमेरिका के समक्ष भी तमाम नई चुनौतियां खड़ी हुईं। उम्मीद है कि अब ट्रंप के कड़े रुख के चलते आतंकियों, उनके मददगारों और अमेरिकी जनता से पैसे ऐंठ रहे देशों की मौज-मस्ती खत्म होने होगी।

इस चुनाव की खास बात यह भी रही कि अमेरिका में भी चुनाव सर्वेक्षण विफल साबित हुए हैं। पहले सबने अनुमान लगाया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बहुत कांटे की टक्कर रहने वाली है और इस बार का चुनाव अमेरिकी इतिहास में सबसे करीबी मुकाबले के रूप में देखा जायेगा। लेकिन ट्रंप की निर्णायक जीत ने सारे चुनाव पूर्व अनुमानों को गलत साबित कर दिया है। इसके अलावा, कमला हैरिस को जिस तगड़े चुनाव प्रचार के बावजूद करारी हार झेलनी पड़ी उससे यह अनुमान भी सहज ही लगाया जा सकता है कि यदि ट्रंप के मुकाबले जो बाइडन मैदान में उतरे होते तो उन्हें कितनी तगड़ी हार झेलनी पड़ती।

दुनिया के लिए क्या होंगे ट्रंप की जीत के मायने, अगर इस पर बात करें तो आपको बता दें कि अब मध्य-पूर्व में जारी जंग और यूक्रेन-रूस युद्ध खत्म होने के आसार बढ़ सकते हैं क्योंकि ट्रंप ने जीत के बाद भी कहा है कि वह युद्ध नहीं चाहते। इसके अलावा, विदेश से सभी सामानों के आयात पर 20 प्रतिशत सार्वभौमिक शुल्क लगाने की ट्रंप की योजना है। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान चेतावनी दी थी कि चीन पर 60 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। हालांकि यह इससे ज्यादा भी हो सकता है। इन कदमों से मुद्रास्फीति बढ़ने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचने की आशंका है। साथ ही ऐसे कदमों से प्रतिशोध, व्यापार युद्ध और वैश्विक अर्थव्यवस्था तहस-नहस होने का भी अंदेशा है।

इसके अलावा, अब यह भी देखना होगा कि मित्र देशों को शत्रु देशों से बचाने की अमेरिकी प्रतिबद्धता का क्या होता है। हम आपको बता दें कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य होने के नाते इसके अन्य सदस्यों की मदद के लिए आगे आना अमेरिका का दायित्व है। नाटो के अनुच्छेद पांच के अनुसार यदि कोई देश किसी नाटो सदस्य पर हमला करता है तो वह सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है। अमेरिका ने जापान और दक्षिण कोरिया के साथ भी ऐसी ही संधियां कर रखी हैं। अमेरिका के नेतृत्व में नाटो ने रूस से जारी युद्ध में यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक सहायता प्रदान की है। इसके विपरीत ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह यूक्रेन को दी जा रही मदद रोक देंगे और कीव पर दबाव बनाएंगे कि वह रूस की शर्तों के अनुसार शांति प्रक्रिया अपनाए। ट्रंप बड़े-बड़े संगठनों को ताकत व प्रभाव दिखाने के मंच के रूप में देखने की बजाय खतरे की वजह और बोझ मानते हैं। हम आपको याद दिला दें कि अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अमेरिका को बाहर कर लिया था।

इस तरह की रिपोर्टें हाल में देखने को मिली हैं कि अमेरिका के कई पूर्व अधिकारियों को संदेह है कि ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिका को नाटो से निकालने की कोशिश करेंगे या समर्थन कम करके नाटो की प्रभावशीलता को कमतर कर देंगे। वहीं एशिया महाद्वीप की बात की जाए तो ट्रंप ने हाल में कहा था कि ताइवान को अमेरिका की ओर से मिल रही सुरक्षा के लिए भुगतान करना चाहिए। ट्रंप की इस टिप्पणी से यह संकेत मिलता है कि ताइवान की रक्षा के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता कमजोर हो सकती है।

इसके अलावा, इस तरह की रिपोर्टें भी सामने आई हैं कि अमेरिका में आंतरिक व्यवस्था में भी अब बदलाव देखने को मिल सकता है। हम आपको बता दें कि अमेरिका में दक्षिणपंथ की ओर झुकाव रखने वाले एक थिंकटैंक ने 'प्रोजेक्ट 2025' तैयार किया है। अगर डोनाल्ड ट्रंप यह प्रोजेक्ट लागू करते हैं तो नौकरशाही में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इस प्रोजेक्ट के लागू होने पर संविधान के प्रति निष्ठा रखने वाले 50 हजार अधिकारियों को हटाकर उनकी जगह ट्रंप के प्रति वफादार अधिकारियों को नियुक्त किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन न्याय, ऊर्जा और शिक्षा विभाग के साथ-साथ एफबीआई और फेडरल रिजर्व जैसी असंख्य संघीय एजेंसियों को भंग कर सकता है और अपने नीतिगत एजेंडे को लागू करने के लिए कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है।

जहां तक भारत के साथ अमेरिका के संबंधों की बात है तो इसमें किसी बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी होगा। ट्रंप के साथ व्यापार और आव्रजन को लेकर बातचीत में कठिनाइयां सामने आ सकती हैं हालांकि कई अन्य मुद्दों पर उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंध बहुत अच्छे हैं। इसके अलावा, ट्रंप जानते हैं कि भारत अगले 20-30 वर्षों में किसी समय दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा इसलिए वह इसकी अनदेखी करने का जोखिम नहीं उठाएंगे। ट्रंप की जीत के तत्काल बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए ट्वीट करते हुए कहा है कि मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए तत्पर हूं। प्रधानमंत्री ने बधाई संदेश के साथ ट्रंप और अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका ने 1776 में अपनी स्थापना के समय से ही लोकतंत्र के माध्यम से दुनिया को आकर्षित एवं प्रेरित किया है। हालांकि, इस समय लोकतंत्र पर जो खतरा मंडराता दिख रहा था, वैसा खतरा पहले कभी नहीं देखा गया था। चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि कराधान, आव्रजन, गर्भपात, व्यापार, ऊर्जा और पर्यावरण नीति तथा दुनिया में अमेरिका की भूमिका समेत कई मामलों पर अमेरिकी मतदाता बहुत हद तक विभाजित दिखे।

तेल की धार -जारी है मार

अभी-अभी कमर्शियल गैस कनेक्शन की कीमतों में 62 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि कर दी गई है । सरकार इस बात की बार-बार दुहाई दे रही है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें तो स्थिर हैं। 2014 में जब सरकार ने तेल की कीमतों में निरंतर वृद्धि की थी और पेट्रोल 59 रुपये प्रति लीटर से उछलते उछलते 108 रुपये तक पहुंचा था, तब बार-बार सरकार यह बताती थी कि तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर है।

जैसे-जैसे दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती हैं वैसे-वैसे पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाना सरकार की मजबूरी है। यह नीति मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने तब बनाई थी जब कच्चा तेल 120डालर प्रति बैरेल पर घूम रहा था और कीमतों के दबाव से बचने के लिए उन्होंने आइल पूल डिफिसिट फंड बनाया था वह बाजार के उतार-चढ़ाव को एब्जार्व करता था। इसीलिये कच्चा तेल 124 डालर होने के बावजूद पेट्रोल 58-59 रुपये लीटर मिल रहा था। अभी-अभी मोदी सरकार के मंत्री हरदीप सिंह पुरी कई तथ्यों के साथ सामने आए हैं ।

भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

प्रह्लाद सबनानी

विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाकर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हो रहा है। पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं। रोजगार की उपलब्धता में कमी के चलते समाज में कई प्रकार की बुराईयां जन्म लेने लगती हैं क्योंकि यदि किसी नागरिक के पास रोजगार ही नहीं होगा तो वह अपनी भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। पूंजीवाद की नीतियों के अनुपालन के चलते वर्तमान में विश्व के कई देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो रहा है। परंतु, प्राचीनकाल में भारत में उपयोग में लाए जा रहे आर्थिक मॉडल को अपनाए जाने के कारण भारत में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध रहता था। भारत में अतिप्राचीन काल से ग्रामीण क्षेत्र ही विकास के केंद्र रहते आए हैं। भारत का कृषि क्षेत्र तो विकसित था ही, साथ में, कुटीर उद्योग भी अपने चरम पर था। पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जाता था। नौकरी शब्द तो शायद उपयोग में था ही नहीं क्योंकि परिवार के सदस्य ही अपने पुरखों के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में रुचि लेते थे अत: भारत के प्राचीन काल में नागरिक उद्यमी थे। नौकरी को तो निकृष्ट कार्य की श्रेणी में रखा जाता था।

भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अत: प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है। परंतु, साथ में आय की असमानता की खाई भी चौड़ी हो रही है, क्योंकि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय तुलनात्मक रूप से तेज गति से बढ़ रही है। हालांकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों, के लिए कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं और इसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है।

भारत में आर्थिक प्रगति के चलते सम्पत्ति के निर्माण की गति भी तेज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023 के अंत में आयकर विभाग में जमा की गई विवरणियों के अनुसार, 230,000 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की बताया है। यह संख्या पिछले 10 वर्षों के दौरान 5 गुणा बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 44,078 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की घोषित किया था। उक्त आंकड़ों में वेतन पाने वाले नागरिकों का प्रतिशत

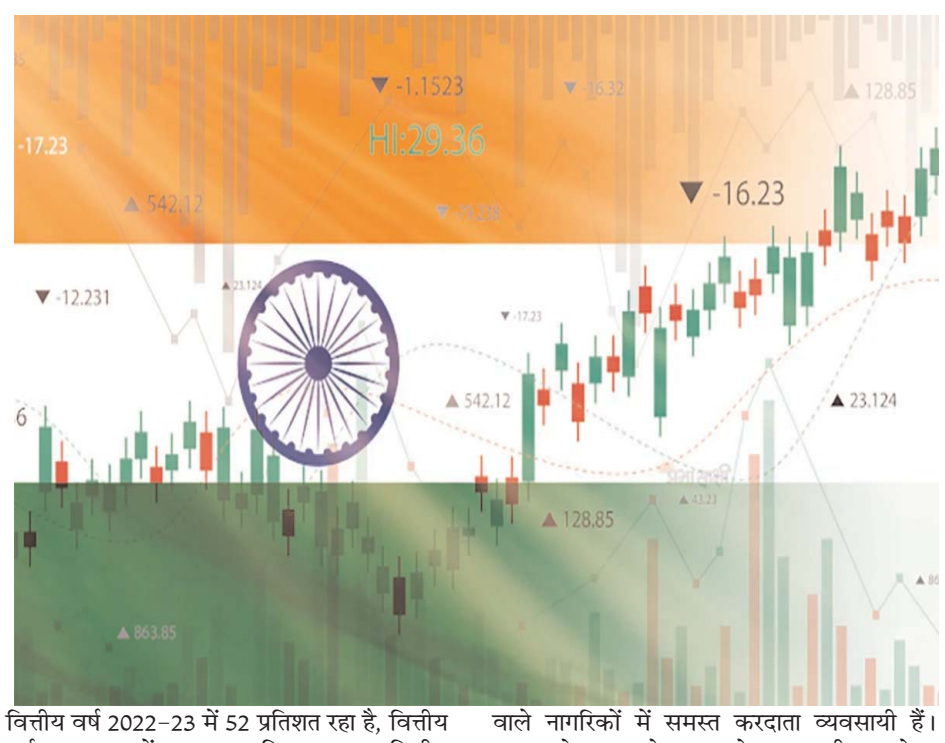

वित्तीय वर्ष 2022-23 में 52 प्रतिशत रहा है, वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 49.2 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह प्रतिशत 51 प्रतिशत था। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक का वेतन पाने वाले नागरिकों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जबकि व्यवसाय करने वाले नागरिकों की आय और अधिक तेज गति से बढ़ी है। 500 करोड़ रुपए से अधिक की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में समस्त करदाता व्यवसायी हैं। 100 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में 262 व्यवसायी हैं एवं केवल 19 वेतन पाने वाले नागरिक हैं। भारत के एक प्रतिशत नागरिकों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति है। अत: देश में आय की असमानता स्पष्टत: दिखाई दे रही है। एक अनुमान के अनुसार यदि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवार की आय में 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह केवल 10 रुपए का खर्च करता है एवं 90 रुपए की बचत करता है जबकि एक गरीब परिवार की आय में यदि 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह 90 रुपए का खर्च करता है एवं केवल 10 रुपए की बचत करता है। इस प्रकार किसी भी देश को यदि उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है तो गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। जबकि विकसित देशों एवं अन्य देशों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है, उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है जिसके चलते कई विकसित देशों में आज उत्पादों की मांग बढ़ने के स्थान पर कम हो रही है और इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर बहुत कम हो गई है तथा इन देशों की अर्थव्यवस्था में आज मंदी का खतरा मंडरा रहा है।

उक्त परिस्थितियों के बीच वैश्विक पटल पर भारत आज एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रहा है। भारत में आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के आसपास आ गई है और इसे यदि 10 प्रतिशत के ऊपर ले जाना है तो भारत में ही उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करनी होगी इसके लिए गरीब वर्ग की आय में वृद्धि करने सम्बंधी उपाय करने होंगे तथा रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने होंगे। प्राचीनकाल में भारत में उपयोग किए जा रहे आर्थिक दर्शन को एक बार पुन: देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है। आज भारत में शहरों को केंद्र में रखकर विकास की विभिन्न योजनाएं (स्मार्ट सिटी, आदि) बनाई जा रही है, जबकि, आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है।

साप्ताहिक समय-सीमा बैठक संपन्न

धान खरीदी, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा, समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश

एमसीबी में चुनाव प्रक्रिया को सुचारू बनाने हेतु कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई, जिसमें विभागीय महत्वपूर्ण पत्रों, पिछले शिविर के लंबित मुद्दों, डीएमएफ कार्यों की प्रगति तथा आगामी बैठक में शामिल होने वाले प्रस्तावों पर चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने समय-सीमा में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए उनके निराकरण हेतु सभी विभागों को निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने राज्योत्सव समारोह की सराहना की और एमसीबी जिले में होने वाले नगर पालिक निगम, नगर पंचायत, और पंचायत चुनाव की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, तहसीलदारों को निर्देशित किया। उन्होंने सभी विकासखंडों में मतदान अधिकारी, पीठासीन अधिकारी और सुरक्षाकर्मी नियुक्त करने का निर्देश दिया और सभी मतदान केंद्रों पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ जनता के लिए आसानी से पहुंच योग्य बनाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, स्ट्रांग रूम की व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, बैठने की सुविधा, और दोनों तरफ से आने-जाने की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदान केंद्रों पर विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। विकलांग व्यक्तियों के लिए रैंप, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया गया ताकि वे बिना किसी कठिनाई के मतदान कर सकें। साथ ही, मतदान केंद्र पर नियुक्त पोलिंग अधिकारियों को चुनाव के दौरान मतदाताओं की पहचान की पुष्टि, सामग्री वितरण, और मतदाता परिचय पत्र में नाम जुड़वाने का कार्य तेज करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में धान खरीदी खरीफ वर्ष 2024-25 के तहत समितिवार पंजीयन रिपोर्ट, बारदाने की उपलब्धता, उड़नदस्ता दल का गठन, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, कृषक पंजीयन आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से अद्यतन जानकारी प्राप्त की और कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिले में आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने निर्माण एजेंसियों के विभाग प्रमुखों को विभाग अंतर्गत हुए निर्माण कार्यों के अंतिम भुगतान हेतु चेक लिस्ट और टेंडर प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। विभागों को आवंटित भूमि के संबंध में निर्देश दिया गया कि आवंटित भूमि का लोकार्पण कराया जाए। रिन्यू विभाग को चिरमिरी में एंजेल निर्वात का सर्वे कराने और इसके बारे में आम नागरिकों को सूचित करने के लिए प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के निर्देश दिए गए। पासपोर्ट सेवा के लिए अब खड़गवा और भरतपुर से आवेदन किया जा सकता है। इसके साथ ही सरगुजा प्राधिकरण के लंबित कार्यों को पूर्ण करने लिए कहा साथ ही जल जीवन मिशन, रेलवे, आयुष, मेडिकल कॉलेज, और एमसीबी जिले में शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के तहत रूम व्यवस्था करने तथा सांसद एवं विधायक निधि का अनुशंसा कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण कमियों को समाप्त कर जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में अपर कलेक्टर अनिल सिदार, संयुक्त कलेक्टर सी.एस. पैकरा, एसडीएम प्रवीण कुमार भगत, लिंगराज सिदार, तहसीलदार, जनपद सीईओ, सभी नगर पंचायत सीएमओ, जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

2 थाने के टीआई हटाए गए

शराब की अवैध-बिक्री पर लगाम नहीं, मस्तूरी में एक केस में दो एफआईआर, थानेदार को पता नहीं

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में एसपी की सख्ती के बावजूद थानेदारों की मनमानी और लापरवाही कम नहीं हो रही है। इससे नाराज एसपी रजनेश सिंह ने कोटा और मस्तूरी टीआई को लाइन अटैच कर दिया है। दरअसल, कोटा इलाके में अवैध गतिविधियों और शराब की अवैध बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। वहीं, मस्तूरी में थानेदार की जानकारी के बिना एक ही मामले में दो एफआईआर दर्ज कर ली गई।

जारी आदेश के मुताबिक, कोटा थाने का प्रभार अब प्रशिक्षु डीएसपी रोशन आहुजा को दिया गया है। मस्तूरी थाने में निरीक्षक सईद अख्तर को पदस्थ किया गया है। वहीं, कोटा टीआई उमेश साहू और मस्तूरी टीआई अवनीश पासवान को लाइन अटैच कर दिया गया है।

विवादों में रहे टीआई साहू: दरअसल, टीआई उमेश साहू हमेशा विवादों में रहे हैं। जांजगीर-चांपा जिले में आरक्षक से उनका विवाद हो गया था। जिस कारण उन्हें लाइन अटैच किया गया था। जिसके बाद बिलासपुर में पदस्थापना हुई, तब भी उन पर अवैध वसूली और मनमानी करने के आरोप लगते रहे हैं। पिछले दिनों क्राइम मीटिंग में एसपी रजनेश सिंह ने उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी भी दी थी।

इसके बाद भी उनके काम में कोई सुधार नहीं हुआ। एक दिन पहले ही टिंगीपुर जंगल से आबकारी विभाग के अमले ने 675 लीटर शराब और करीब 1800 किलो लहान जब्त किया। जबकि, अवैध शराब की बिक्री पर कोटा पुलिस उदासीन बनी रही।

मस्तूरी में एक केस में दो एफआईआर, टीआई को पता नहीं: मस्तूरी टीआई अवनीश पासवान पर भी काम में लापरवाही बरतने का आरोप है। थाना क्षेत्र में अपराधों पर मस्तूरी टीआई का सुस्त रवैया दिखा रहे थे। दो दिन पहले थाने में एक ही केस में अलग-अलग दो एफआईआर हो गई और थानेदार को पता ही नहीं चला। एक्सीडेंट के मामले में पुलिस ने ऐसी लापरवाही बरती है। लिहाजा, नाराज एसपी ने अवनीश पासवान को लाइन अटैच कर दिया है।

दो एएसआई सिविल लाइन भेजे गए: इधर, विवेचकों की कमी से जूझ रहे सिविल लाइन में लंबित अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए दो एएसआई भेजे गए हैं। इनमें लाइन से एएसआई जीवन साहू और मस्तूरी थाने से ममता दुबे को सिविल लाइन थाने में पदस्थ किया गया है। एसपी ने जारी आदेश में सभी को तत्काल प्रभाव से ज्वाइन करने के लिए कहा है।

सुनील सोनी पर फूटा लोगों का गुस्सा

67 एकड़ जमीन पर कब्जे से नाराजगी, बीजेपी प्रत्याशी ने कहा- भूपेश ने करवाया अतिक्रमण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में रायपुर दक्षिण उपचुनाव में प्रचार करने निकले बीजेपी प्रत्याशी सुनील सोनी के खिलाफ जनता का गुस्सा फूटा है। सुनील सोनी भाठागांव क्षेत्र में प्रचार करने निकले थे, यहां लोग चारागाह की 67 एकड़ जमीन पर हुए कब्जे को लेकर नाराज थे। लोगो ने कहा कि आपकी सरकार रहने के बाद भी हमारी नहीं सुनी गई। सुनील सोनी लोगों को शांत कराते रहे लेकिन जनता नाराजगी जाहिर कर विरोध करती रही। सोमवार दोपहर की इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भूपेश बघेल ने भी इसे शेयर कर लिखा है कि 'रायपुर दक्षिण की जनता ने तो भाजपा के निष्क्रिय प्रत्याशी को पानी पिला दिया'।

सुनील सोनी की माने तो वहां जमीन विवाद खत्म हो चुका है। गांव वाले शांति से बात कर रहे थे, तभी तीन कांग्रेसी सामने आकर भीड़ को भड़का रहे थे। वहां की फिजा बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। पूर्व सीएम के ट्वीट पर बोले- भूपेश ने लोगों को परेशान किया, जमीनों पर कब्जा करवाया है, इसलिए आज ऐसी स्थिति हुई है।

चारागाह की 67 एकड़ जमीन पर कब्जा: रायपुर के भाठागांव स्थित चारागाह की 67 एकड़ जमीन में हेराफेरी हुई थी। जमीन किसानों ने चारागाह के लिए दी थी, लेकिन चार किसानों ने पुराने रिकॉर्ड में छेड़छाड़ कर जमीन का बंटवारा करते हुए अपने नाम करवा लिया और उसे बेच दिया।

ड्यूटी के दौरान पति से विवाद करना मानसिक क्रूरता

पति-पत्नी के झगड़े में रेलवे को तीन करोड़ का नुकसान, हाईकोर्ट ने पति की तलाक किया मंजूर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। पति-पत्नी के बीच विवाद की वजह से रेलवे को तीन करोड़ रुपए का नुकसान हो गया, जिसके चलते रेलवे कर्मी की नौकरी चली गई। इस मामले में पति की तलाक की अर्जी को मंजूर करते हुए हाईकोर्ट ने पत्नी के इस व्यवहार को मानसिक क्रूरता माना है। साथ ही पति को तलाक के लिए हकदार माना है। केस की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस संजय अग्रवाल की डिवीजन बेंच में हुई। दरअसल, भिलाई की रहने वाली युवती की शादी 12 अक्टूबर 2011 में हिन्दू रीति रिवाज से हुई थी। उसका पति विशाखापत्तनम का रहने वाला है और रेलवे में स्टेशन मास्टर है। पति का आरोप है कि शादी के बाद जब 14 को रिसेप्शन हुआ तब उसकी पत्नी खुश नहीं थी। रात में उसने पति को बताई की उसका इंजीनियरिंग कॉलेज के ग्रंथपाल के साथ अफेयर है। उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध भी बना चुकी हैं, जिसे वो नहीं भूल सकती। पति ने इस बात की जानकारी उसके पिता को दी। लेकिन, पिता ने भविष्य में ऐसा नहीं करेगी कहा व इसकी गारंटी भी ली।

पति के सामने करती थी प्रेमी से बात: पति का यह भी आरोप है कि पिता के समझाने के बाद भी उसकी पत्नी उसके बाजू में रहकर प्रेमी से बात करती थी। एक रात पति ड्यूटी में था तब पत्नी फोन पर अपने पति से विवाद करने लगी।

पति-पत्नी के झगड़े में रेलवे को हुआ तीन करोड़ का नुकसान: मोबाइल से पत्नी के विवाद में बहस शुरू हो गई। इस दौरान पति बोला कि वो घर आकर बात करेगा। तभी पति और पत्नी का झगड़ा ओके से खत्म हुआ। इधर, रेल कर्मी पति की ओके की आवाज दूसरे स्टेशन मास्टर ने रेलगाड़ी को रवाना करने सिग्नल दे दिया। नक्सल क्षेत्र होने के कारण उस खंड में रात 10 से सुबह 6 बजे तक रेल यातायात प्रतिबंधित है। इस वजह से रेलवे को तीन करोड़ रुपए का नुकसान हो गया। जिसके बाद रेल कर्मी को लापरवाही बरतने के कारण सस्पेंड कर दिया गया इसके बाद लगातार पत्नी की मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पति ने विशाखापटनम परिवार न्यायालय में तलाक के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।

महिला को सड़क से किडनैप कर रेप

मुंह दबाकर जबरन कमरे में ले गया, आरोपी बोला-किसी को बताया तो जान से मार दूंगा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में युवक ने महिला को दिनदहाड़े सड़क से किडनैप कर रेप की वारदात को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि आवाज न इसलिए महिला का मुंह दबाकर जबरन कमरे में ले गया। वारदात के बाद आरोपी ने महिला से कहा किसी को बताया तो जान से मार दूंगा। मामला आरंग थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक वारदात 27 अक्टूबर दोपहर डेढ़ बजे की हैं। आरोपी की धमकी से पीड़िता डर गई थी, जिससे उसने किसी को जानकारी नहीं दी थी। इसके बाद हिम्मत कर पति को आपबीती बताई।इसके बाद आरंग थाने में 5 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई।

गलत नजर रखता था आरोपी: पीड़िता ने पुलिस से बताया कि आरोपी नेमीचंद्र ध्रुव पड़ोस में अपना नया मकान बनवा रहा है। आरोपी मकान की देखरेख करने के लिए अक्सर वहां पर आया करता था। तब से लगातार आरोपी महिला पर गलत नजर रखता था। इसी बीच महिला अपने रिश्तेदार के घर जा रही थी।

महिला को अकेले देखकर बिगड़ी नियत: इस दौरान सुनसान सड़क पर आरोपी भी आ गया।। महिला को अकेले देखकर उसकी नीयत बिगड़ गई। महिला को अगवाकर अपने किराए के मकान में ले गया, जहां दुष्कर्म किया। महिला लगातार विरोध करती रही, लेकिन आरोपी मुंह दबाए रखा, जिससे महिला चिल्ला नहीं पाई।

कोर्ट ने आरोपी को भेजा जेल: आरंग थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत के बाद आरोपी के ठिकाने पर छापेमारी की गई। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने जुर्म स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में हो रही लागातार स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार , गुणवत्ता सेवाओं में यूपीएचसी डोमनहील हुआ एनक्यूएएस सर्टिफाइड

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी वेंकट राहुल के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खरे और जिला कार्यक्रम प्रबन्धक डॉ पुष्पेंद्र सोनी के नेतृत्व में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोमनहिल को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) प्रमाणीकरण हेतु आवेदन विगत सितंबर माह में किया गया था जिसके तारतम्य में दिल्ली की टीम द्वारा अक्टूबर माह के 22 एवं 23 तारीख को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया जिसमें कुल 12 विभागों का दिल्ली से आए केंद्रीय टीम द्वारा निरीक्षण किया गया निरीक्षण में टीम द्वारा अस्पताल में दी जाने वाली सेवाओं का सराहना किया गया।

ज्ञात हो को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोमनहिल में विगत 2013 से गुणवक्तापूर्वक स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही है जिसमे ओपीडीएआईपीडी प्रसव, प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, बीपी शुगर जांच एवं अन्य 30 प्रकार के लैब जांच जैसे सेवाए दी जा रही है इन सभी सेवाओं का गुणवक्ता जांच हेतु दिल्ली से टीम आई थी टीम द्वारा निरक्षण के बाद प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की बेहतर सेवाओं हेतु सराहना भी की गई । उक्त निरक्षण का एक सप्ताह बाद परिणाम प्राप्त हुआ जिसमें शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सभी विभागों में 80: से ऊपर अंक प्राप्त जो बहुत अच्छा परिणाम माना जायेगा। इस तरह यह अस्पताल नवगठित जिला बनने के उपरांत जिला महेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर का प्रथम एनक्यूएएस सर्टिफाइड अस्पताल बना।

पुल से 20 फीट नीचे गिरी एम्बुलेंस, 4 घायल, 2 की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। कोरबा में शव छोड़कर आ रही एक एम्बुलेंस पूल से 20 फीट नीचे जा गिरी। इस हादसे में चार लोग गंभीर लोग घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मामला बांगो थाना क्षेत्र के जटगा चौकी का है। जानकारी के मुताबिक बुधवार दोपहर एम्बुलेंस राजस्थान के जयपुर से एक शव लेकर बिलासपुर पहुंची थी। वापसी के दौरान एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर एक पुल से नीचे जा गिरी। इस हादसे में एम्बुलेंस सवार चार लोग घायल हो गए।

राज्योत्सव-2024, एमसीबी में जीपीएम विधायक प्रणव मरपच्ची ने किया उद्घाटन

राज्योत्सव-2024 में विभिन्न विभागों के स्टॉल, सरकारी योजनाओं का लाभ मिला नागरिकों को

कलेक्टर ने राज्य निर्माण की ऐतिहासिकता पर दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव-2024) का शुभारंभ गौरेला- पेंड्रा- मरवाही विधायक प्रणव मरपच्ची और अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान मरपच्ची ने विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया। यह स्टॉल नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के उद्देश्य से लगाए गए थे, जिनमें मरपच्ची ने आम नागरिकों को श्रमिक पंजीयन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, मोटराइज्ड साइकिल, व्हीलचेयर, जाति प्रमाण पत्र, वन अधिकार पट्टा, स्वच्छता किट, मसूर और लौकी मिनीकिट, दिव्यांग छड़ी, चूजा वितरण, नोनी सुरक्षा प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आइस बॉक्स और जाल का वितरण किया ।

इस अवसर पर मरपच्ची और अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलन कर पूजा अर्चना की और राज्य गीत के साथ इस कार्यक्रम का परंपरागत तरीके से शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि और अन्य सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर समारोह को और भी मनमोहक बना दिया। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने स्वागत भाषण में जिलेवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवंबर 2000 को हुआ और 9 सितंबर 2022 को कोरिया जिले से अलग होकर नया जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर अस्तित्व में आया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ऐतिहासिकता के साथ विकसित हुआ है, और यहां के महान विभूतियों ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए अतुल्य योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ राज्य की अस्मिता को संजोए रखने की जिम्मेदारी आज हम सभी पर है। प्रणव मरपच्ची ने अपने उद्बोधन में मंच पर उपस्थित और समारोह में शामिल सभी नागरिकों को भारत माताष् और ष्छत्तीसगढ़ महतारी् के लिए जयकारा लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य का गठन माननीय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी के योगदान का परिणाम है। उन्होंने राजनीति से परे होकर छत्तीसगढ़वासियों की भावना को ध्यान में रखते हुए यह राज्य उपहार स्वरूप प्रदान किया। 2000 में जब मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ अलग हुआ, तब की तत्कालीन सरकार ने इस राज्य की आधारशिला रखी। इस संदर्भ में उन्होंने डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में पिछले 15 वर्षों में हुए विकास कार्यों को भी सराहा। अपने भाषण में उन्होंने छत्तीसगढ़ में वर्तमान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार के कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार 70 लाख महिलाओं को सहायता प्रदान कर रही हैं, प्रति क्विंटल धान के लिए 3100 रुपये का भुगतान कर रही है, और 18 लाख आवास बनाने का कार्य भी कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में धन का सही तरीके से आवंटन हो रहा है और छत्तीसगढ़ की जनता सरकार के कार्यों से संतुष्ट है। अनिल केशरवानी ने भी सभा को संबोधित करते हुए अटल बिहारी वाजपेई जी के योगदान की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की पहचान बनाने में उनकी भूमिका अहम रही। उन्होंने राज्य के वर्तमान नेतृत्व, जिसमें कृषि मंत्री रामविचार नेताम जैसे नेताओं का उल्लेख किया, जिनके निर्देशन में सरकार राज्य के विकास के लिए कार्य कर रही है। इस राज्योत्सव में विभिन्न विभागों ने अपने-अपने विभागीय योजनाओं के स्टॉल लगाए, जिनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, स्कूल शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, समाज कल्याण, जिला अंत्यावसायी सहकारी समिति, मछली पालन, पशुपालन, आयुष, उद्यानिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, श्रम और पुलिस विभाग के स्टॉल प्रमुख थे। जनसंपर्क विभाग द्वारा राज्य सरकार की योजनाओं से संबंधित बुकलेट का वितरण भी किया गया।

पत्नी ने दी पति की चिता को मुखाग्नि

अंतिम-संस्कार के लिए भाई ने मांगे 1 लाख, तो मजबूर महिला ने किया क्रिया कर्म

मीडिया ऑडीटर, कोरिया एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में सोमवार को कैंसर से पति की मौत हो गई। समाज की मौजूदगी में घर से अर्थी निकाली गई, जिसे पत्नी कंधा दिया और मुक्तिधाम में रीति-रिवाज से चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान यह दृश्य देखकर लोगों की आंखें नम हो गई। घटना पटना तहसील के करजी गांव का है।

बताया जा रहा है कि पति की मौत के बाद अंतिम संस्कार के लिए भाई ने 1 लाख रुपए या फिर जमीन की मांग की। शर्तें पूरी नहीं करने पर अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद मजबूर पत्नी ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की।

मुंह के कैंसर से जूझ रहे थे कतवारी लाल: दरअसल, कतवारी लाल राजवाड़े (47) पिछले 2 साल से मुंह के कैंसर से जूझ रहे थे। करीब 6 महीने पहले हालत ज्यादा खराब हो गई। इसके बाद पैतृक संपत्ति का कुछ हिस्सा बेचकर उसकी पत्नी श्यामपति ने इलाज कराया, लेकिन कतवारी लाल नहीं बच सके।

एक भी संतान नहीं थे: कतवारी लाल राजवाड़े और श्यामपति की 25 साल पहले शादी हुई थी, लेकिन उनका कोई बच्चा नहीं हुआ। इसलिए कतवारी की मौत के बाद अंतिम संस्कार की समस्या गई कि, मुखाग्नि कौन देगा। हिंदू रीति-रिवाज के साथ क्रिया कर्म कौन करेगा।

अनमोल बिश्नोई की बढ़ेंगी मुश्किलें

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व विधायक और एनसीपी लीडर बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई की संलिप्तता का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। फोरेंसिक साइंस लैब निदेशालय को मुंबई की एक अदालत ने शूटर विक्की कुमार गुप्ता और वॉन्टेड आरोपी अनमोल बिश्नोई के बीच बातचीत की ऑडियो क्लिप (पेन-ड्राइव में) की सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। यह मामला इस साल की शुरुआत में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी होने के बाद दर्ज किया गया था। डीएफएसएल डीसीबी सीआईडी के सहायक पुलिस आयुक्त किशोरकुमार शिंदे को पेन ड्राइव में ऑडियो क्लिप उपलब्ध कराएगी, जबकि उसकी एक कॉपी अपने पास सुरक्षित रखेगी। स्पेशल जज बीडी शेलके ने मुंबई क्राइम ब्रांच के आवेदन पर आदेश पारित करते हुए कहा, जांच एजेंसी को गिरफ्तार आरोपी विक्कीकुमार गुप्ता (कथित शूटर) और वॉन्टेड आरोपी अनमोल बिश्नोई के बीच बातचीत की सॉफ्ट कॉपी की जरूरत है।

शारदा सिन्हा का जाना, बिहार के लिए बहुत बड़ी क्षति : लालू प्रसाद यादव

पटना (एजेंसी)। मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा का बीती रात देहांत हो गया। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने उनके निधन को बिहार के लिए बहुत बड़ी क्षति बताया। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए शारदा सिन्हा के निधन पर दुख प्रकट किया। उन्होंने कहा, शारदा सिन्हा जी का देहांत छठ के अवसर पर ही हो गया। छठ त्योहार के गीतों में उनकी आवाज एक अलग सा माहौल बनाती थी। लालू यादव ने आगे कहा कि शारदा सिन्हा को सारा परिवार सुनता था और उनका आदर करता था। सूर्य भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वो शारदा सिन्हा की आत्मा को शांति प्रदान करें। जितने भी उनके श्रोता हैं, उनको दुख सहने की शक्ति दें। लालू यादव ने सभी को छठ की शुभकामनाएं दी और कहा कि शारदा सिन्हा का हमारे बीच नहीं रहना बिहार के लिए बहुत बड़ी क्षति है। बता दें कि मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा का मंगलवार की रात निधन हो गया। वह 72 साल की थीं। कुछ दिन पहले बीमारी के चलते उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। सोमवार (4 नवंबर) को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें वेंटीलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया था। बेटे अंशुमन ने उनका हेल्थ अपडेट सोशल मीडिया के जरिए फैंस तक पहुंचा रहे थे। निधन की खबर भी उन्होंने साझा की। शारदा सिन्हा के पुत्र अंशुमन सिन्हा ने मंगलवार शाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर दुखद खबर सुनाई। उन्होंने बताया , आप सब की प्रार्थना और प्यार हमेशा मां के साथ रहेंगे। मां को छठी मइया ने अपने पास बुला लिया है। मां अब शारीरिक रूप में हम सब के बीच नहीं रहीं। पद्म भूषण से सम्मानित 72 वर्षीय शारदा सिन्हा मैथिली और भोजपुरी गानों का जाना पहचाना नाम थीं। उनके चर्चित गानों में 'विवाह गीत' और 'छठ गीत' शामिल हैं। गीत-संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री और पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया है।

दिल्ली में यमुना किनारे नहीं होगी छठ पूजा, हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की, कहा- पानी बहुत ज्यादा प्रदूषित, इससे लोगों की सेहत बिगड़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने यमुना तटों में छठ पूजा मनाने की परमिशन देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने बुधवार को कहा कि नदी का पानी बहुत प्रदूषित है। इसमें पर्व मनाने से लोगों की सेहत बिगड़ सकती है।

चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने कहा कि दिल्ली में 1000 जगहों पर छठ मनाने के इंतजाम किए गए हैं, वहां जाकर लोग पर्व मना सकते हैं। याचिका पूर्वांचल नव निर्माण संस्थान ने दायर की थी। इसमें दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के 29 अक्टूबर 2021 के एक नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई थी। इस नोटिफिकेशन में यमुना किनारे उत्सव स्थल बनाने पर बैन लगा दिया गया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि बैन कोविड-19 के दौरान लगाया गया था। मगर कोर्ट ने प्रदूषित नदी का हवाला देते हुए कहा कि छठ पूजा के लिए लोग यमुना के जहरीले पानी में न जाएं, इसलिए यह बैन लगाया गया है।

हाईकोर्ट बोला- हमारे दिमाग साफ नहीं, इसलिए यमुना भी प्रदूषित: सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा है कि यमुना में डुबकी लगाने से लोगों की तबियत खराब हुई है। यहां तक कि उन्हें अस्पताल में भी भर्ती करवाना पड़ गया है। ऐसे में इस याचिका पर किसी भी तरह का आदेश देने से लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कोर्ट ने यमुना के बढ़ते प्रदूषण पर भी चिंता जताई और कहा- हम नदी में सीवेज छोड़ना को जारी नहीं रख सकते। यह इंडस्ट्रियल सीवेज नहीं है, ह्यूमन सीवेज है। नदी के किनारे अवैध कालोनियां बनाई गई हैं। इनका अनट्रीटेड सीवेज नदी में जा रहा है।

जब याचिकाकर्ता ने कहा कि बैन लगाने की जगह यमुना को साफ किया जा सकता है, तो बेंच ने कहा- 'हम अपने दिमाग साफ नहीं कर रहे हैं। अगर इसे साफ कर सकते हैं तो यमुना को भी जल्दी साफ कर सकते हैं। हम सभी इस पर सहमत हैं कि हमें यमुना को साफ करना है लेकिन यह हमारी प्राथमिकता में नहीं है।'

कोर्ट ने राजनेताओं को भी आड़े हाथों लिया: सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कहा कि नदी में मौजूद प्रदूषण को हटाया भी जा सकता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह काम रातोंरात संभव नहीं है। कोर्ट ने इस दौरान उस याचिका का भी जिक्र किया जिसमें 241 झुग्गीवासियों को यमुना के बाढ़ क्षेत्र से हटाने की बात कही गई है। कोर्ट ने कहा कि इन झुग्गी वालों का सीवेज यमुना को प्रदूषित कर रहा है। मगर उन्हें हटाने के बजाय सभी राजनेता वहां जाएंगे और लंबे-लंबे भाषण देंगे। क्योंकि अगर वे हट गए तो चुनाव लड़ने का मुद्दा नहीं बचेगा।

5 नवंबर से शुरू हुआ छठ पर्व: महाव्रत छठ पूजा मंगलवार 5 नवंबर से शुरू हो चुक है। 5 नवंबर तारीख को नहाय खाय, 6 नवंबर को खरना, 7 नवंबर को डूबते सूर्य को अर्घ्य और 8 नवंबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ पूजा के दिन शाम को सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन सुबह से व्रत करने वाला व्यक्ति निराहार और निर्जल रहता है। प्रसाद में ठेकुआ बनाते हैं। शाम को सूर्य पूजा करने के बाद भी रात में व्रत करने वाला निर्जल रहता है। चौथे दिन यानी यानी सप्तमी तिथि (8 नवंबर) की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत पूरा होता है।

धार्मिक संस्थाएं, अस्पताल-स्कूल और कॉलेज निर्माण के लिए आगे आएं

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार्मिक संस्थाएं, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल और धर्मशाला आदि के निर्माण में आगे आएं, राज्य शासन की ओर से उन्हें हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। देश के 7 पवित्रतम नगरों में से उज्जैन एक है, यहां सभी समाजों के लिए धर्मशाला, मठ, मंदिर आदि के निर्माण को राज्य शासन की ओर से प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में सिंहस्थ क्षेत्र में स्थाई निर्माण को प्रोत्साहन देने की नीति बनाई गई है, जिसके अंतर्गत महर्षि श्रृंग समाज उत्थान संस्थान ने उज्जैन में मंदिर और आश्रम निर्माण का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में बनने जा रहे महर्षि श्रृंगी महाराज और माता शांता मंदिर और आश्रम के भूमि-पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उज्जैन में हुए कार्यक्रम में हैदराबाद से पधारे परम पूज्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 प्रभु दास जी महाराज, पुष्कर राजस्थान के श्री तेजमल पंडया, नई दिल्ली के श्री विक्रांत पांडे सहित वरिष्ठ समाजसेवी तथा नागरिक उपस्थित थे।

त्योहारी सीजन में भीड़ कम करने के लिए केंद्र ने शुरू की 7,663 स्पेशल ट्रेन सर्विस

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे बोर्ड ने त्योहारी सीजन की भीड़ को देखते हुए 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक 7,663 स्पेशल ट्रेन सर्विस शुरू की है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 73 फीसदी अधिक है।

रेलवे बोर्ड ने इसे लेकर एक बयान जारी किया है।, पूजा/दिवाली/छठ 2024 की भीड़ के लिए कुल 7,663 स्पेशल ट्रेन सर्विस अधिसूचित की गई हैं। पिछले साल इस अवधि के दौरान केवल 4,429 ट्रिप्स ही संचालित किए गए थे।

बयान में कहा गया है कि भारतीय रेलवे ने 24 अक्टूबर से 4 नवंबर तक दिवाली और छठ उत्सव के दौरान 957.24 लाख नॉन सब अर्बन यात्रियों को सफर करवाया, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 923.33 लाख यात्रियों ने यात्रा की थी, जो इस साल 33.91 लाख यात्रियों की वृद्धि दर्शाता है।

जम्मू-कश्मीर में बुलडोजर एक्शन की तैयारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने चेतावनी दी है कि अगर कोई व्यक्ति आतंकवादियों को पनाह देता है तो उसके खिलाफ बुलडोजर एक्शन किया जाएगा। बारामूला में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोज सिन्हा ने कहा, मैंने सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे किसी भी निर्दोष को नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन आतंकवादियों को पनाह देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके घरों को ध्वस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह कहकर खुद को बचाने की कोशिश करते हैं कि उनके साथ अन्याय हो रहा है। लेकिन यह अन्याय नहीं है, बल्कि न्याय है। एलजी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए स्थानीय

लोगों का सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, हमारा पड़ोसी अशांति फैलाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हमें चिंता इस बात की है कि यहां के कुछ लोग उनके इशारे पर काम कर रहे हैं।

सिन्हा ने गगनगीर में आतंकवादियों द्वारा चिकित्सक और प्रवासी मजदूरों की हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर लोग आतंकवादियों के खिलाफ खड़े नहीं होंगे तो स्थिति नहीं बदलेगी।

यूपी : फिरोजाबाद में मजदूरों से भरी डबल डेकर बस दुर्घटनाग्रस्त, 20 से अधिक घायल

फिरोजाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां पर यात्रियों से भरी एक प्राइवेट बस पलट गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त बस, डबल डेकर थी, जो यात्रियों को लेकर हमीरपुर से हाथरस, इगलास की ओर जा रही थी। बस में करीब 20 से 22 लोग सवार बताए जा रहे हैं। इसमें मौजूद लोग मजदूरी का काम करते हैं और ईट भट्टे पर काम करने के लिए जा रहे थे।

बता दें कि यह सड़क दुर्घटना रामगढ़ थाना क्षेत्र के चनोरा पुल के पास हुई है। हादसे के बाद बस में मौजूद करीब सभी मजदूर घायल बताए जा रहे हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घायलों में दो को ज्यादा चोट लगने के कारण उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों को आगरा के लिए रेफर कर दिया गया है।

ग्रेटर नोएडा : चलते ट्रक में लगी आग

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के दादरी इलाके में आज सुबह एक चलते ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही ड्राइवर ने गाड़ी साइड रोक कर ट्रक से बाहर कूदकर अपनी जान बचाई और इसकी सूचना पुलिस और फायर विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने थोड़ी देर में आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि यह ट्रक पेट्रोल और सीएनजी से चलता है और फिलहाल शॉर्ट सर्किट के चलते इसमें आग लगने की घटना सामने आई है। फायर विभाग की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक 6 नवंबर को समय सुबह करीब 6.17 बजे ग्राम सादोपुर जीटी रोड दादरी के पास जा रहे ट्रक (पेट्रोल एवं सीएनजी) में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई।सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुऐ फायर सर्विस यूनिट घटनास्थल पर रवाना हुई और एक गाड़ी की मदद से आग को पूरी तरह से बुझा दिया गया है। इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई। कोई फंसा नहीं है। बताया जा रहा है कि ट्रक में आग लगते ही ड्राइवर ने कूद कर अपनी जान बचाई। आग बुझाने के बाद स्थानीय पुलिस और फायर विभाग की टीम इस बात की जांच कर रही है कि इस ट्रक में आग कैसे लगी। फिलहाल शुरुआती जांच में वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगना बताया जा रहा है।

एलएमवी लाइसेंस धारक चला सकेंगे हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) का ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाला व्यक्ति अब 7500 किलोग्राम तक के हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन चला सकता है। यह फैसला बीमा कंपनियों और ड्राइवरों दोनों के लिए बड़ी राहत की खबर है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ इस पर फैसला सुनाया है। बीमा कंपनियां लंबे समय से इस बात पर सवाल उठाती रही थीं कि क्या एलएमवी लाइसेंस धारक ट्रांसपोर्ट वाहन चलाने के लिए योग्य हैं। उनका तर्क था कि दोनों के लिए अलग-अलग लाइसेंस की आवश्यकता होती है। इस मुद्दे पर कई बार विवाद हुए और अदालतों में मुकदमे भी हुए।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर लंबी सुनवाई के बाद फैसला सुनाया है कि एलएमवी लाइसेंस धारक 7500 किलोग्राम तक के हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन चला सकते हैं। इस फैसले से बीमा कंपनियों को अब ऐसे मामलों में क्लेम देने से इनकार नहीं कर सकेंगी। सरकार ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। केंद्र सरकार

शीतकालीन सत्र में मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करके इस फैसले को कानूनी रूप देगी।

इस फैसले के बाद अब ड्राइवरों को अलग से ट्रांसपोर्ट वाहन का लाइसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी। बीमा कंपनियों को अब इस मुद्दे पर विवाद करने की जरूरत नहीं होगी। इस फैसले से यातायात नियमों में एकरूपता आएगी। यह फैसला उन सभी लोगों के लिए महत्वपूर्ण है जो हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन चलाते हैं।

इंडी गठबंधन की गारंटी झूठ का पुलिंदा : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के झारखंड राज्य के प्रभारी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी दलों के गठबंधन पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि इंडी गठबंधन झूठ का पुलिंदा है। पिछली बार जेएमएम और कांग्रेस ने 461 वादे किए थे जिनमें से एक भी पूरा नहीं किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने भोपाल में संवाददाताओं से चर्चा के दौरान लोक गायिका शारदा सिन्हा के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, शारदा सिन्हा ऐसी गायिका थीं, जिनके बिना छठ महापर्व की कल्पना नहीं की जा सकती। छठ महापर्व और उनके गीत एक दूसरे के पर्याय थे। छठ के दिन ही उन्होंने देवलोक गमन किया। छठ मैया अपने चरणों में स्थान दें। उनकी दिवंगत आत्मा को शांति दें, यही कामना है।

देश में हो रहे विधानसभा के चुनाव और उपचुनावों को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा, झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव है तो कई स्थानों पर उपचुनाव है। अब तो मैं आजकल झारखंडी हो गया हूं।

इंडी गठबंधन की गारंटी झूठ का पुलिंदा है क्योंकि जेएमएम और कांग्रेस ने पिछली बार भी गारंटी दी थी। उन्होंने कहा था हम पांच लाख सरकारी नौकरियां देंगे, जो नहीं दी, उन्होंने कहा था कि हर महिला को 2000 रुपये हर महीना चूल्हा खर्च देंगे, जो नहीं दिया। चुनाव से सिर्फ दो माह पहले 1000 रुपये देने की एक योजना ले आए। बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी, नहीं दिया। इन्होंने समर्थन मूल्य पर बोनस देने और धान खरीदेंगे कहा था जो नहीं किया। जेएमएम ने 117 वादे किए थे और 344 वादे कांग्रेस ने किए थे। एक भी वादा पूरा नहीं किया और नए वादे लेकर आ गए। इनकी गारंटी फुस्सी बम है जो फूटता नहीं और जनता को भरोसा नहीं है। भाजपा की गारंटी का जिक्र करते केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि भाजपा जो कहती है वह करती है। हमने जो कहा था उसे छत्तीसगढ़ में देख लीजिए, उड़ीसा मे देख लीजिए । भाजपा और हमारे नेता नरेंद्र मोदी गारंटी को पूरा करने गारंटी है । इंडी गठबंधन की गारंटी पर कोई भरोसा नहीं कर रहा। सबको पता है यह झूठ बोलते हैं।

मध्य प्रदेश के दो विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उपचुनाव पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा, विजयपुर और बुधनी का सवाल है तो मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की सरकार प्रदेश के विकास और जनकल्याण को नई ऊंचाई तक ले जा रही हैं और जनकल्याण का इतिहास रच रही है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं-बेटियों को 35 प्रतिशत आरक्षण किया गया है जो हमारे संकल्प पर अमल है। डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में ऐसी एक नहीं अनेक चीज हो रही है। मध्य प्रदेश पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद लगातार बरस रहा है। इसलिए मध्य प्रदेश की जनता भाजपा के साथ है। सरकार के कामों से जनता प्रसन्न है और बुधनी तथा विजयपुर में जनता को विश्वास है कि विकास होगा।

संक्षिप्त समाचार

रेमंड लिमिटेड का मुनाफा घटा, पिछले साल था लाभ 161.16 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेमंड लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त हुई दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 63 फीसदी घटकर 59.01 करोड़ रुपए रह गया है। एक साल पहले इस अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 161.16 करोड़ रुपए था। शेयर बाजार की जानकारी के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी की कुल आय बढ़कर 1,100.70 करोड़ रुपए हो गई। पिछले साल इस अवधि में यह आंकड़ा 512.35 करोड़ रुपए था। रेमंड लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गौतम हरि सिंघानिया ने कहा था कि हमने रियल एस्टेट और इंजीनियरिंग दोनों कारोबार क्षेत्रों में अच्छी गति देखी है।

सोयाबीन के किसानों को जबर्दस्त फायदा

भोपाल (एजेंसी)। कृषि उपज मंडियों में दीपावली के करण 6 दिन का अवकाश था। अब सभी मंडियां बड़ी तेजी के साथ काम कर रही हैं।मंडियों की रौनक लौट कर आ गई है।धान और सोयाबीन की फसल लेकर किसान मंडी पहुंच रहे हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल,बड़नगर,धार, देवास, सीहोर की मंडी में बड़ी मात्रा में सोयाबीन की आवक शुरू हुई है। अलग-अलग मंडियों में सोयाबीन की क्वालिटी के अनुसार 6100 से लेकर 7100 के बीच में सोयाबीन की नीलामी हुई है। बडनगर मंडी में 7171 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से सोयाबीन की नीलामी हुई। जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भोपाल की मंडी में सोयाबीन का मुहूर्त सौदा 4511 रुपए में हुआ था। लेकिन उसके बाद भोपाल मंडी में भी सोयाबीन के दामों में तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार की सुबह कांटा पूजन के साथ सभी मंडियों में नए साल का कारोबार शुरू हुआ।मंडियों में गेहूं चना मक्का और सोयाबीन के साथ-साथ धान भी आ रही है। चने की नीलामी 6801 रुपए प्रति क्विंटल की दर से हुई है।गेहूं 3301 रुपए तथा मक्का 2201 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर पहले दिन नीलामी में किसानों का बिका है।

सोने-चांदी के दामों में गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के वायदा भाव में बुधवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव बुधवार 78,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों में सुस्ती देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 78,331 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 41 रुपये की गिरावट के साथ 78,466 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 78,526 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 78,206 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 79,775 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही।

महिला क्रिकेट के लिए आईसीसी ने कर दिया बड़ा ऐलान

4 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी का होगा आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी ने 2025-2029 तक के लिए महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए एक शेड्यूल जारी किया है। जिसे फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम नाम दिया गया है। ये पहल आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा होगी, जिसके तहत अगले 4 साल के भीतर महिला क्रिकेटरों के बीच 44 एकदिवसीय सीरीज खेलनी जाएंगी। लेकिन इस पहल की सबसे दिलचस्प बात ये है कि 2025-2029 तक प्रत्येक साल महिला क्रिकेटरों के लिए एक आईसीसी टूर्नामेंट करवाया जाएगा। ये प्रोग्राम 2029 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप को नजर में रखते हुए सेट किया गया है। इमें 11 टीम भाग लेंगी। जिम्बाब्वे इस टूर्नामेंट में डेब्यू कर रहा होगा। जो महिला क्रिकेट की वैश्विक स्तर पर वृद्धि में योगदान देगा। अगले चार साल के भीतर हर टीम अपने घर पर चार और विदेशी सरजमीं पर भी चार वनडे सीरीज खेलेगी। इस तरह कुल 44 सीरीज खेली जाएंगी। प्रत्येक सीरीज 3 मैचों की होगी, यानी सभी टीमों के बीच कुल 132 मुकाबले खेले जाएंगे। सुनिश्चित करेगा कि अगले चार साल के भीतर महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा से ज्यादा मैच खेले जा सकें। बताते चलें कि ये प्रोग्राम 2025 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप के बाद शुरू होगा। 2025-2029 तक महिला क्रिकेट टीमों के बीच 400 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। 2025 में महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप होगा जिसकी मेजबानी भारत करने वाला है। 2026 में महिला टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा। अब तक सिर्फ पुरुष क्रिकेट में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होता आया था, लेकिन 2027 में पहली बार महिला क्रिकेट टीमों के बीच भी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की रेस लगेगी। वहीं 2028 में फिर से टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा। जिसे अब तक ऑस्ट्रेलिया 6 बार जीत चुका है।

हरमनप्रीत की टॉप 10 में एंट्री

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार को महिला वनडे प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिर से टॉप-10 बल्लेबाजों की लिस्ट में एंट्री कर ली है। हरमनप्रीत दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से नौवे पर पहुंच गई हैं। उनके फिलहाल 654 रेटिंक अंक हैं। न्यूजीलैंड कैप्टन सोफी डिवाइन के भी इतने अंक हैं। हरमनप्रीत ने पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में फिफ्टी जड़ी थी। उन्होंने 63 गेंदों में 6 चौकों के जरिए नाबाद 59 रन की पारी खेली। भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की। वहीं भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में शतक लगाया था। उन्होंने 122 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। मंधाना को सेंचुरी लगाने के बावजूद रैंकिंग में फायदा नहीं मिला।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में आक्रामक वापसी कर सकती है भारतीय टीम : हेजलवुड

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भले ही करारी हार का सामना करना पड़ा हो पर वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से एक बार फिर दमदार वापसी कर सकती है। हेजलवुड के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 3-0 से मिली हार के बाद भले ही भारतीय टीम का मनोबल गिरा हो पर उसे कमजोर मानना गलत होगा। उसके पास कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं। हेजलवुड ने अपनी टीम को आगाह किया है कि भारतीय टीम इस सीरीज में पलटवार करने के इरादे से उतरेगी। इसलिए हमें 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर-हेज़लवुड ने कहा,'' भारतीय टीम वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इसलिए सीरीज शुरू होने पर ही हमें पता चलेगा की चीजें कैसे आगे बढ़ रही हैं।'' घरेलू धरती पर मिली हार से भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की राह भी मुश्किल हुई है। लगातार तीन हार से वह डब्ल्यूटीसी तालिका में भी फिसल गयी है। भारत को लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पांच में से चार मैच जीतने होंगे। हेज़लवुड ने कहा, ''इस करारी हार से उनका आत्मविश्वास कुछ डगमगाया होगा। उसके कुछ खिलाड़ी यहां खेल चुके हैं पर कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिनको यहां खेलने का अनुभव नहीं है। इसलिए वह पूरी तरह से सुनिश्चित नहीं होंगे कि उन्हें यहां किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यह परिणाम निश्चित रूप से हमारे लिए अच्छा होगा। उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड की टीम को भी श्रेय मिलना चाहिए। उन्होंने पूरी सीरीज में शानदार क्रिकेट खेली। सीरीज तो छोड़ो भारत में एक मैच जीतना भी काफी कठिन होता है।'' भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। हेज़लवुड ने कहा,''हम इसके लिए तैयार हैं।यह सीरीज हमारे लिए भी काफी महत्व रखती है। जब भी हम भारत के खिलाफ खेलते हैं तो वह एशेज में खेलने जैसा होता है।

रोहित शर्मा के बाद ऋषभ पंत को टेस्ट कप्तान बनायें : मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि कप्तान रोहित शर्मा के उत्तराधिकारी के तौर पर विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत सबसे बेहतर रहेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर भारतीय टीम की 3-0 से करारी हार के बाद रोहित की कप्तानी पर भी सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में भविष्य को देखते हुए रोहित के उत्तराधिकारी की भी तलाश की जा रही है। इसी को लेकर कैफ ने कहा कि रोहित के पद छोड़ने के बाद आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ को कमान सौंपी जानी चाहिए। कैफ ने कहा कि मौजूदा टीम से केवल ऋषभ ही टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में हैं। वह इसके योग्य है वह जब भी खेले, भारतीय टीम को आगे रखने में लगे रहे। वह जिस भी नंबर पर खेलने आएं, मैच जिताने वाली पारी खेलने के लिए तैयार रहेते हैं। उन्होंने सभी प्रकार की हालातों में रन बनाए हैं, चाहे वह इंग्लैंड हो, ऑस्ट्रेलिया हो या दक्षिण अफ्रीका। चाहे सीमिंग हो या टर्निंग ट्रैक, वह एक पूर्ण बल्लेबाज के तौर पर उभरकर आये हैं। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ जब भारत को 147 रनों का पीछा करना था तब भी ऋषभ ने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया था। कीवी टीम ने तब तक दबाव महसूस किया जब तक वह विकेट पर था। कैफ ने कहा कि हाल के समय में इस युवा ने अपनी विकेटकीपिंग में भी खासा सुधार किया है। उन्होंने आगे कहा कि जब ऋषभ अपना अंतिम टेस्ट मैच खेल रहे होंगे, तो वह एक दिग्गज खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेंगे। उन्होंने दिखाया है कि पहले से ही उनकी कीपिंग में काफी सुधार हुआ है। जब तक वह क्रीज पर थे, न्यूजीलैंड को राहत नहीं लेने दी। इसी को देखते हुए मेरा मानना है कि वह कप्तानी के लिए सबसे बेहतर रहेंगे।

धोनी का अनुभव चेन्नई के लिए अमूल्य संपी : पोंटिंग

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताने वाले महेंद्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिग ने कहा कि धोनी का अनुभव और नेतृत्व चेन्नई के लिए अमूल्य संपत्ति की तरह है। सीएसके ने आईपीएल के नये नियमों के कारण इस बार धोनी को केवल 4 करोड़ रुपए में रिटेन किया है। धोनी ने साल 2019 में ही संन्यास ले लिया था। ऐसे में पांच साल बाद उन्हें केवल अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर ही आईपीएल में रखा जा सकता है। ऑक्शन नियमों के मुताबिक अनकैप्ड प्लेयर के लिए अधिक से अधिक 4 करोड़ कीमत रखी गई है। धोनी 4 करोड़ में खेलने को तैयार हो गये जबकि वह मेगा नीलामी में बड़ी रकम हासिल कर सकते थे। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में मेजबान संजना गणेशन के साथ खेल में धोनी के महत्व पर बात की। पोंटिंग ने कहा कि संरक्षक भूमिकाओं के बीच धोनी टीम में अद्वितीय संतुलन लाते हैं। पोंटिंग ने कहा कि दो सीजन पहले उनके लिए समय सही नहीं था, पर पिछले साल उन्होंने फिर से वापसी की और कुछ मैचों में अपने खेल से पुरानी यादें ताजा करायी हैं। मुझे लगता है कि टीम पूरे सत्र में उसे शायद ही ले पाये। वे उसे एक गेम के लिए बाहर रखने और उसे यहां-वहां आराम देने के बारे में सोच सकते हैं जिससे यह पक्का हो सके कि वे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। पोंटिंग ने कहा कि धोनी अभी भी सीएसके के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी टीम में हो, चाहे वह कप्तान हो या नहीं, वह हमेशा उस समूह के लिए एक संरक्षक और एक नेता के तौर पर ही रहेगा, चाहे वह खेल रहा हो, चाहे वह किनारे पर बैठा हो। वह मैदान के अंदर और बाहर नेतृत्व लाते हैं।

छोटे शहरों व कस्बों में ई-कॉमर्स की मांग बढ़ी

त्योहारी सीजन में हुई खूब कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के छोटे शहरों और कस्बों में निजी खपत और मांग के बढ़ने के साथ त्योहारी सीजन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए अच्छा अवसर साबित हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रीमियमाइजेशन के बढ़ते ट्रेंड के साथ, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने त्योहारी सीजन में सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा दर्ज किया है। यह आंकड़ा पिछले साल की त्योहारी बिक्री की तुलना में 20 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दिखाता है। 26 सितंबर से शुरू हुई त्योहारी बिक्री के पहले सप्ताह में ही 55 हजार करोड़ रुपए का कारोबार हुआ, जो कुल बिक्री का आधा है। ई-कॉमर्स कंसल्टेंसी डेटम इंटेलिजेंस ने इस त्योहारी सीजन में बिक्री में 23 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि का अनुमान लगाया है। इस सीजन में

मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और फैशन कैटेगरी में तेजी देखी गई, जबकि ब्यूटी, पर्सनल केयर, होम और क्विक कॉमर्स जैसे अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर कारोबार दर्ज किया गया। विशेष रूप से क्विक कॉमर्स ने 2023 में बेहतर प्रदर्शन किया है जिसने समग्र ई-कॉमर्स बढ़ोतरी में करीब 8 फीसदी का योगदान दिया, जो पिछले साल 5 फीसदी था। त्योहारी सीजन के दौरान स्मार्टफोन की बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई, जिसमें ऑनलाइन बिक्री के जरिए से स्मार्टफोन की खरीद में करीब 65 फीसदी की हिस्सेदारी रही। टियर 2 और उससे आगे के शहरों ने अमेजन के लिए प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 70 फीसदी से ज्यादा का योगदान दिया। अमेजन इंडिया के मुताबिक टियर 2 शहरों से बड़े उपकरणों की मांग में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिसमें एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर जैसे उत्पाद शामिल हैं। इस बार ब्रांड ने त्योहारी मांग को देखते हुए कई महत्वाकांक्षी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया। इसके परिणामस्वरूप, ब्रांड टियर 2 शहरों और उससे आगे के कम पहुंच वाले ग्राहकों तक पहुंच बनाने और लाभ कमाने में सफल रहे। होम और किचन अप्लायंसेज जैसी नई कैटेगरी ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पकड़ बनाई है, जिससे प्लेटफॉर्म को अपने औसत ऑर्डर मूल्य और लाभ को बढ़ाने में मदद मिली है। इस प्रकार त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स के लिए सकारात्मक संकेत मिले हैं, जो छोटे शहरों में बढ़ती खपत और मांग को दर्शाते हैं और इसने भविष्य में ई-कॉमर्स के विकास की संभावनाओं को भी उजागर किया है।

पीटरसन ने टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी कौशल में गिरावट पर चिन्ता जतायी

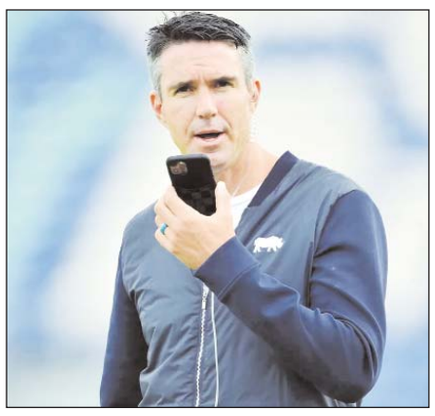

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी तकनीक में गुणवत्ता में आ रही कम पर चिंता जतायी है। पीटरसन ने सोशल मीडिया में कहा कि आजकल पारंपरिक बल्लेबाजी कौशल में गिरावट आई है। पीटरसन ने कहा कि किसी को भी टेस्ट मैच क्रिकेट में बल्लेबाजी अनुप्रयोग और तकनीक की कमी पर अब हैरान नहीं होना चाहिये क्योंकि क्रिकेट अब एक स्मैकर्स खेल है और खेल में ऐसे बल्लेबाजी कौशल नीचे आ रहा है। पीटरसन की टिप्पणियां क्रिकेट में टी20 और सीमित ओवरों के प्रारूपों के कारण टेस्ट बल्लेबाजी की कला कमजोर होने को लेकर है। इससे पहले पीटरसन ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को ट्रोल करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया। केविन ने रिकी पोंटिंग का एक बयान पोस्ट किया। जिसमें लिखा था कि अगर आपका टेस्ट क्रिकेट में औसत 35 के पास है और आप फिर भी खेल रहे हैं तो आपके पिता को आपको बास्केटबॉल या फुटबॉल शूज देकर इन खेलों को खेलने के लिए कहना चाहिए। गौरतब है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान विराट और रोहित रन बनाने में असफल रहे। दोनों ही एक एक अर्धशतक ही लगा पाये। पीटरसन का यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि भारतीय टीम को आगामी दिनों में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। अगर इसमें विराट और रोहित विफल रहे तो इनका विकल्प तलाशना जरुरी हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में जसप्रीत बुमराह पर रहेगा अधिक दबाव : घावरी

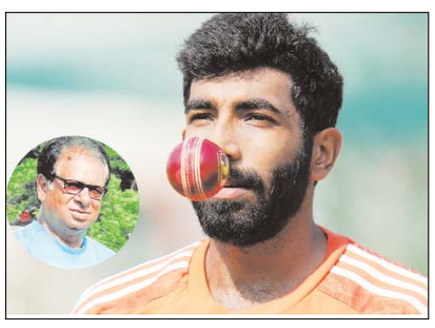

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरे जमाने के बांए हाथ के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे करसन घावरी ने कहा है कि भारतीय टीम के नये तेज गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलिया दौरे में लाइन व लैंथ के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। घावरी के अनुसार ऐसे में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर ही पूरा दारोमदार रहेगा। भारतीय टीम इसी माह ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलेगी। घावरी ने कहा कि भारतीय टीम को अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी की कमी भी खलेगी। शमी फिट नहीं होने के कारण इस दौरे से बाहर हैं। ऐसे बुमराह पर ही पूरी जिम्मेदारी आ जाएगी। भारतीय टीम 22 नवंबर से 7 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट खेलेगा। इस दौरान तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व बुमराह करेंगे जबकि मोहम्मद सिराज , आकाशदीप , प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा जैसे गेंदबाज उनका साथ देंगे। घावरी ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाजी आक्रमण में अनुभव की कमी पर चिंता व्यक्त की और कहा कि नए खिलाड़ियों के लिए ऑस्ट्रेलिया में कठिन समय हो सकता है। घावरी ने कहा कि नए गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया में संघर्ष करेंगे। उनके लिए उन हालातों में गेंदबाजी करना बहुत मुश्किल होगा। शमी अगर होते तो बुमराह को अच्छा साथ मिलता पर वह वह वहां नहीं है। भारत केवल बुमराह पर निर्भर नहीं रह सकता है। सिराज वहां है और उसके पास कुछ अनुभव है पर बाकि 2 नए तेज गेंदबाजों को रखना आदर्श स्थिति नहीं है। घावरी ने कहा कि टेस्ट सीरीज के दौरान बुमराह काफी दबाव में होंगे और उन्हें सिराज से काफी समर्थन की आवश्यकता होगी। बुमराह और सिराज को नई गेंद से काफी बोझ उठाना होगा। आप तीसरे तेज गेंदबाज से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह अनुभवी लोगों की तरह प्रदर्शन करें। अगर वे तीन तेज गेंदबाजों को खिलाते हैं, तो आप अनिश्चित हैं कि तीसरा कैसा प्रदर्शन करेगा, इसलिए बुमराह और सिराज को निश्चित रूप से काफी प्रयास करने होंगे।

शेयर बाजार मे रही हल्की बढ़त

सेंसेक्स में 300 अंकों की बढ़त, निफ्टी 24,250 के स्तर पर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी देखने को मिल रही है। बाजार के प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी50 हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे हैं।

यह बढ़त डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बढ़त बनाने का बाद देखने को मिल रही है। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स में 283 अंकों की बढ़त के साथ 79,759 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 ने 57 अंकों की बढ़त के साथ 24,271 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं एशियाई बाजारों में पॉजिटिव रुख के चलते भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को अच्छी तेजी देखने को मिली। शुरुआती गिरावट के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों हरे निशान में

बंद हुए। मेटल, बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर में खरीदारी से बाजार को सपोर्ट मिला और दिन का अंत मजबूती के साथ हुआ। बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 78,542.16 अंक पर थोड़ी गिरावट के साथ खुला और कारोबार के दौरान 78,296.70 अंक तक नीचे गया। लेकिन बाद में सुधार करते हुए सेंसेक्स अंत में 694.39 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ।

निफ्टी-50 भी कमजोर शुरुआत के बावजूद 208 अंक की तेजी के साथ 24,203.35 के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिलाजुला रुख देखने को मिल रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, चीन का मुख्य सीएसआई 300 इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की बढ़त पर है, शंघाई मामूली नकारात्मक रुख के साथ सपाट है, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.02 प्रतिशत नीचे है और जापान का निक्केई 1.39 प्रतिशत से अधिक की बढ़त पर कारोबार कर रहा है।

रुपया 14 पैसे गिरकर 84.23 डॉलर पर

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और वैश्विक बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 14 पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.23 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी चुनाव के बीच बाजार में अस्थिरता के संकेत दिखने लगे हैं। इसके परिणाम स्पष्ट होने पर ही यह हलचल थमने की संभावना है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.23 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

अपर कलेक्टर मैहर ने ली टीएल बैठक

50 दिवस से ऊपर की शिकायतों पर विशेष फोकस करें : शैलेंद्र सिंह

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अपर कलेक्टर मैहर शैलेंद्र सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा प्रकरणों की बैठक लेकर सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी अपने विभाग की 50 दिवस की अवधि से ऊपर लंबित सीएम हेल्पलाइन पर विशेष फोकस करें और संतुष्टिपूर्ण निराकरण के प्रयास किए जाएं। इस मौके पर एसडीएम आरती यादव, डॉ. आरती सिंह, उप संचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, कार्यपालन यंत्री आरईएस अश्वनी जायसवाल, पीएचई शरद सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एमएल प्रजापति, सीएमओ लालजी ताम्रकार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान खाद्य विभाग में 212, राजस्व की 790, स्वास्थ्य 58, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी 56, सामाजिक न्याय 10, सामान्य प्रशासन 24, मुख्य नगर पालिका अधिकारी 203, डीपीसी 16, महिला बाल विकास 1155, पंचायतराज 163, कर्मकार मंडल, 116 लाडली बहन योजना 1133 शिकायतें 50 दिवस से ऊपर लंबित पाई गई। इसी प्रकार नवंबर माह के समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के विषयों से संबंधित 4682 कुल सीएम हेल्पलाइन लंबित हैं। अपर कलेक्टर ने कहा कि समाधान ऑनलाइन और 50 दिवस से ऊपर की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।

अपर कलेक्टर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के गठन के 13 दिसंबर को 1 वर्ष पूरा होने जा रहा है। इस मौके पर जनसंपर्क विभाग के माध्यम से 10 नवंबर से 13 दिसंबर तक योजनाओं एवं कार्यक्रमों की उपलब्धियों एवं जानकारी से संबंधित प्रचार-प्रसार अभियान लगातार चलेगा। सभी विभाग अपने विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विशेष उपलब्धियों एवं साल भर के विकास कार्यों की जानकारी, सफलता की कहानियां जनसंपर्क विभाग को उपलब्ध कराये तथा स्वयं की विभागीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रचार- प्रसार करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया कि जिले में 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ जनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। ग्रामों में आशा, आशा सहयोगिनी, एएनएम, सीएचओ, ग्राम रोजगार सहायक की आईडी आयुष्मान कार्ड बन रहे हैं। कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल पर 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों का आयुष्मान कार्ड एप डाउनलोड कर बना सकते हैं। सभी प्रकार के 70 प्लस आयु वर्ग के लोग योजना में पात्र हैं। आवेदकों को आधार और समग्र आईडी सिर्फदेनी होगी।

मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के शत-प्रतिशत नाम जोडे जायें

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के लिए 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक दावे एवं आपत्ति प्राप्त करने की तिथि नियत की गई है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखडे ने बताया कि 6 नवम्बर को जिला स्तर पर समीक्षा करने पर पाया गया कि एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी प्राप्त फार्मों की संख्या की स्थिति नगण्य है। उन्होंने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के लिए विधानसभावार पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने हेतु लक्ष्य निर्धारित कर सतना और मैहर जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दावा आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 28 नवम्बर के पूर्व शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति की जाये।

समीक्षा में पाया गया कि विधानसभा क्षेत्र 61 चित्रकूट के लिए पुनरीक्षण हेतु निर्धारित लक्ष्य 5950 के विरूद्ध 6 नवम्बर तक कुल प्राप्त फार्मों की संख्या 20 तथा अंतर 5930 है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र 62 रैगांव में निर्धारित लक्ष्य 5960, प्राप्त फार्म 36 तथा अंतर 5924, विधानसभा क्षेत्र 63 सतना में निर्धारित लक्ष्य 6745, प्राप्त फार्म 54, अंतर 6691, विधानसभा क्षेत्र 64 नागौद में निर्धारित लक्ष्य 6513, प्राप्त फार्म 32, अंतर 6481, विधानसभा क्षेत्र 65 मैहर में निर्धारित लक्ष्य 7010, प्राप्त फार्म 45, अंतर 6965, विधानसभा क्षेत्र 66 अमरपाटन में निर्धारित लक्ष्य 6665, प्राप्त फार्म 91, अंतर 6574 तथा विधानसभा क्षेत्र 67 रामपुर बघेलान में निर्धारित लक्ष्य 7162 के विरूद्ध कुल प्राप्त फार्मों की संख्या 142 तथा अंतर 7020 है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से कहा है कि लक्ष्य की पूर्ति के लिए व्यक्तिगत रूचि लेकर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सभी मतदान केन्द्रों के बीएलओ को निर्देशित करें कि वे जिन नवीन मतदाताओं की उम्र 1 जनवरी की स्थिति में 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है या पूर्ण हो रही है तथा ऐसे पात्र छूटे हुए मतदाताओं एवं 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं से व्यक्तिगत सम्पर्क स्थापित कर उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज कराया जाना सुनिश्चित करें।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के नवीनीकरण आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के मध्यप्रदेश ट्राइवल अफेयर्स एण्ड शड्यूल कॉस्ट वेलफेयर ऑटोमेशन सिस्टम (एमपीटीएएएस) पोर्टल पर नवीनीकरण आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण के सहायक संचालक केके शुक्ला ने नवीनीकरण आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ करने की जानकारी देते हुए सतना और मैहर जिले के सभी अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के प्राचार्यों से समस्त पात्र विद्यार्थियों के आवेदन समयावधि में भरवाये जाने तथा इसके लिए सभी विद्यार्थियों को सूचित करने के निर्देश दिये हैं।

आउटरीच कार्यक्रम का संचालन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि सतना एवं मैहर जिले के भूतपूर्व सैनिकों/पूर्व सैनिकों की विधवाओं/आश्रिता के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड शाखा सतना द्वारा 7 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर में एक आउटरीच कार्यक्रम का संचालन किया जायेगा। जिसमें विभिन्न विषयों पर आधारित जानकारी दी जायेगी। इस दौरान स्पर्श पोर्टल की सुविधाओं/संचालन/उपयोगिताओं/जीवित प्रमाण पत्र, अपडेशन, पेंशन भुगतान संबंधी समस्याओं का निराकरण कर जानकारी दी जायेगी। आगंतुक अपना आधारकार्ड, पीपीओ व पेंशन खाता की पासबुक साथ में लेकर उपस्थित होकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव 8 नवम्बर को लेंगे बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव 8 नवम्बर को दोपहर 3 बजे सतना पहुंचकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यों की बैठक लेंगे। बैठक के बाद सायं 5 से सायं 6 बजे तक फील्ड का भ्रमण करेंगे। जिला पंचायत के सीईओ एवं सीईओ जनपद को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

जंगल में रेप करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नर्स के साथ किया था गंदा काम, पहले से भी दर्ज हैं कई केस

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के बरगढ़ थाना क्षेत्र में हुए एक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 26 अक्टूबर 2024 को एक युवती, जो जंगल के रास्ते से अस्पताल जा रही थी, उसे कुछ अज्ञात लोग मोटरसाइकिल से रोककर उसके साथ दुष्कर्म कर फरार हो गए थे। घटना के बाद, युवती के पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

इस मामले को सुलझाने के लिए पुलिस महानिरीक्षक प्रेम कुमार गौतम और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर पांच टीमों का गठन किया गया। पुलिस की जांच में आरोपी शुभम मिश्रा उर्फ सुग्गा को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर पहले भी कई गंभीर अपराध दर्ज हैं।

युवती को डराने के लिए झूठे फोन कॉल्स भी किए: घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस टीमों ने मेहनत से आरोपी का पता लगाया और मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया और बताया कि उसने युवती को डराने के लिए झूठे फोन कॉल्स भी किए थे। इस सफलता के लिए पुलिस अधिकारियों की सराहना की गई है। जिससे समाज में न्याय और सुरक्षा का संदेश गया है।

बाईपास में फिर डकैती, यूट्यूबरों पर वाहन से 30 हजार रुपए की लूट का आरोप आया सामने

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। चोरहटा से रतहरा के लिए बनी बाईपास सड़क इन दिनों पुलिस और यूट्यूबरों के लिए दुधारू गाय बनी हुई है जहां से हर रोज दिनभर मालवाहक वाहन निकलते हैं और इनके द्वारा अवैध तरीके से दबाव बनाकर वाहन चालकों से मोटी रकम की अवैध वसूली की जाती है। ताजा मामला सामने आया है चोरहटा थाना इलाके में स्थित बनकुइयां बाईपास से जहां मंगलवार की देर शाम कुछ यूट्यूबरों के द्वारा खुद को पत्रकार बताकर एक वाहन के चालक से 30 हजार रुपए की रकम लूट ली गई। जिसके बाद वाहन चालक ने थाने पहुंच कर मामले की शिकायत दर्ज कराई है जिसपर पुलिस की टीम जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि एक अल्टो कार वाहन में सवार 5 की संख्या में आए कथित पत्रकारों ने बनकुइयां बाईपास के समीप मालवाहक वाहन को रोका जिसके बाद उन्होंने पहले तो वाहन की चेकिंग की और बाद में चालक से वाहन के कागजों को छुड़ाकर चेक करने लगे तथा जब मालवाहक वाहन के चालक ने इस बात का विरोध किया तो कथित पत्रकारों ने पुलिस और एसपी रीवा के नाम से उसे धमकाया और 30 हजार रुपए की लूट करके वहां से रवाना हो गए।

विभागीय उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करें : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी अधिकारी विभागीय उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। विभागों की 13 दिसम्बर 2023 से 30 नवम्बर तक की अवधि की उपलब्धियों का विवरण फोटो के साथ जनसंपर्क कार्यालय को उपलब्ध कराएं। इनमें साइबर तहसील, राजस्व महाअभियान, सीएम राइज स्कूल, रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, प्रधानमंत्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा तथा एयर एंबुलेंस सेवा की उपलब्धियाँ अनिवार्य रूप से दें। जल जीवन मिशन गौ संवर्धन तथा संरक्षण के प्रयासों, खाद्य सुरक्षा योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, लाड़ली बहना तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की भी जानकारी दें। नशे के विरूद्ध चलाए गए अभियान, पुनर्घनत्वीकरण योजना, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, आयुष्मान कार्ड योजना, सिंचाई सुविधा में विस्तार, एक जिला एक उत्पाद योजना, प्राकृतिक खेती, श्रीअन्न की खेती, उद्यानिकी फसलों में वृद्धि को भी इसमें शामिल करें। संभाग में पर्यटन स्थलों में सुविधाओं के विकास, समग्र स्वच्छता अभियान, राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना, वनाधिकार अधिनियम, स्वामित्व योजना, आवासीय भू अधिकार योजना से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानी भी प्रकाशित कराएं। कमिश्नर ने कहा है कि उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र में वृद्धि, मछली पालन, मुर्गी पालन तथा पशुपालन विभाग की उपलब्धियों का भी प्रचार-प्रसार कराएं। सभी कलेक्टर साप्ताहिक टीएल बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करके विभागीय उपलब्धियों का संकलन कराकर जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से नियमित प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

ग्राम करसरा तेलियान बस्ती में उल्टी-दस्त की बीमारी नियंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया कि विकासखण्ड सोहावल के ग्राम करसरा तेलियान बस्ती में मंगलवार को उल्टी-दस्त के 12 मरीज प्रकाश में आये थे। जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराकर उपचार किया गया है। इनमें 4 मरीजों को घर पर ही उपचार प्रदान किया गया। सभी मरीजों के स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है। उल्टी-दस्त से कोई भी मृत्यु नहीं हुई है। उल्टी-दस्त की सूचना प्राप्त होने पर ब्लाक आरआरटी टीम के अलावा जिले की टीम द्वारा प्रभावित ग्राम का भ्रमण किया गया। संक्रमण फैलने का मुख्य कारण पेयजल सप्लाई की पाइप लाइन जगह-जगह टूटी होने के फलस्वरूप दूषित जल के उपयोग से पाया गया है।

उल्टी-दस्त के प्रकरण को देखते हुए मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी समुदाय स्वास्थ्य केन्द्र कोठी द्वारा निगरानी बनाये रखने और उपचार के लिए गांव में टीम गठित की गई है। प्रभावित घरों में आवश्यक दवाईयां और ओआरएस घोल उपलब्ध कराया गया है। पेयजल स्त्रोतों का सेम्पल प्रिजर्व कर डीपीएचएल रीवा जांच के लिए भेजा गया है। ग्रामीणों को पानी उबाल कर पीने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पानी को शुद्ध करने क्लोरीन की गोलियां वितरित की गई है। आगामी तीन दिवस तक चिकित्सक दल द्वारा गांवों में शिविर लगाकर आशा, एएनएम, सीएचओ को प्रत्येक घर का प्रतिदिन भ्रमण करने के निर्देश दिये गये हैं।

संयुक्त दल द्वारा उर्वरक स्कन्ध का भौतिक सत्यापन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशानुसार उर्वरकों के वितरण की मानीटरिंग के लिए गठित संयुक्त दल द्वारा बुधवार को आईएफएमएस पोर्टल में उपलब्ध उर्वरक का विभिन्न विक्रय केन्द्रों में जाकर भौतिक सत्यापन किया गया।

इस दौरान उप संचालक कृषि मनोज कश्यप और एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया के संयुक्त दल ने मेसर्स किशन खाद एजेंसी बिरला रोड, आईएफएफडीसी कृषक सेवा केन्द्र माधवगढ एवं गुप्ता ट्रेडर्स माधवगढ में उपलब्ध उर्वरक स्टाक का सत्यापन किया गया। जिसमें मेसर्स किशन खाद एजेंसी से प्रथम दृष्टया स्कंध का मिलान नहीं पाये जाने पर उर्वरक का विक्रय प्रतिबंधित कर दिया गया है जबकि माधवगढ में उपलब्ध उर्वरक का वितरण विभागीय अधिकारी की उपस्थिति में करने के निर्देश दिये गये हैं।

विकासखण्डों में लगेंगे जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शासन स्तर से प्राप्त निर्देशानुसार प्रत्येक विकासखण्ड की क्लस्टर ग्राम पंचायतों में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने अधिकारियों-कर्मचारियों की डयूटी लगाते हुए निर्देशित किया है कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के मार्गदर्शन में प्रातः 10 बजे सायं 5 बजे तक शिविर का आयोजन कर कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार 21 नवम्बर को जनपद पंचायत सोहावल की ग्राम पंचायत रैगांव में आयोजित होने वाले शिविर के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सोहावल प्रतिपाल सिंह बागरी को नोडल अधिकारी एवं सीडीपीओ अभय द्विवेदी को शिविर प्रभारी, 29 नवम्बर को जनपद पंचायत नागौद की ग्राम पंचायत जसो के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी नागौद अशोक मिश्रा को नोडल अधिकारी एवं सीडीपीओ इन्द्रभूषण तिवारी को शिविर प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार 6 दिसंबर को मझगवां की ग्राम पंचायत मझगवां के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी मझगवां सुलभ सिंह पुशाम को नोडल अधिकारी एवं सीडीपीओ अभय द्विवेदी को शिविर प्रभारी, 13 दिसंबर को जनपद पंचायत रामपुर बघेलान की ग्राम पंचायत सज्जनपुर के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप दुबे को नोडल अधिकारी एवं सीडीपीओ विद्याचरण तिवारी को शिविर प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार 20 दिसंबर को जनपद पंचायत उचेहरा की ग्राम पंचायत परसमनिया में आयोजित होने वाले शिविर के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुप्रभावती टेकाम को नोडल अधिकारी एवं सीडीपीओ रविकांत शर्मा को शिविर प्रभारी नियुक्त किया गया है। साथ ही संबंधित क्षेत्र के आरएईओ, पटवारी, हैण्डपम्प टेक्नीशियन, पीएचई, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ता, समस्त विभागों के उपयंत्री, सहायक यंत्री, समस्त विभागों के ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत अनुभाग के अधिकारी, संबंधित ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक शिविर में सहयोगी दल के रूप में कार्य संपादित करेंगे।

क्लस्टर की ग्राम पंचायतों में लगने वाले शिविर में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी अपने जनपद/अनुभाग स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहेंगे। शिविर में क्लस्टर आधारित सभी ग्राम पंचायतों के सभी विभागों के ग्राम पंचायत स्तरीय कर्मचारी अपनी जानकारियों के साथ उपस्थित रहेंगे। प्रत्येक शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों को प्राप्त करने, उनको रजिस्टर में दर्ज करने, संबंधित विभागीय अधिकारी को उपलब्ध कराकर निराकरण करने की व्यवस्था शिविर स्थल पर ही जायेगी। नोडल अधिकारी सभी विभागों से समन्वय कर शिविर में आने वाले आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करेंगे और रिकार्ड संधारित करेंगे।

पूर्व वर्षों की तुलना में शिशु मृत्यु दर में 60-70 प्रतिशत की गिरावट दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने विभिन्न जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनायें संचालित की जा रही हैं। जिनमें गर्भवती महिलाओं के पोषण के लिए जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता योजना, टीकाकरण दस्तक अभियान, नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई, एनबीएसयू, पोषण पुनर्वास केन्द्रों का संचालन प्रमुख है। इसके फलस्वरूप प्रतिवर्ष मृत्यु के आंकड़ों में पूर्व वर्षों की तुलना में 60-70 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है।

जिला सतना में वार्षिक स्वास्थ्य सर्वे 2012-13 के अनुसार शिशु मृत्यु दर 83 प्रति हजार थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया कि वर्ष 2022-23 में अप्रैल 22 से मार्च 23 की अवधि में कुल प्रतिवेदित प्रसव 39327 रहे और प्रतिवेदित मृत्यु प्रकरण 1460 रहे। वार्षिक स्वास्थ्य सर्वे 2012-13 की शिशु मृत्यु दर के अनुसार संभावित मृत्यु प्रकरण 3264 होना चाहिए थे। इसी प्रकार वर्ष 2023-24 (अप्रैल 23 से मार्च 24 तक) कुल प्रतिवेदित प्रसव 39343 रहे और प्रतिवेदित मृत्यु प्रकरण 1290 रहे। वार्षिक स्वास्थ्य सर्वे 2012-13 के अनुसार संभावित मृत्यु प्रकरण 3265 होने चाहिए। वर्ष 2024-25 (अप्रैल 24 से अगस्त 24 तक) कुल प्रतिवेदित प्रसव 16682 में 382 प्रतिवेदित मृत्यु प्रकरण रहे। जबकि वार्षिक स्वास्थ्य सर्वे 2012-13 की शिशु मृत्यु दर के हिसाब से 1385 मृत्यु प्रकरण होने चाहिए थे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जिला अस्पताल सतना में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई का संचालन किया जा रहा है। जिसमें जन्म से 28 दिवस तक के गंभीर संक्रमणयुक्त बीमार बच्चों जिनकी मृत्यु की संभावना प्रबल होती है को भर्ती कर उपचार किया जाता है। इसी प्रकार पीडियाट्रिक्स, इंटेंसिव केयर यूनिट का संचालन किया जा रहा है।

जिससे 5 वर्ष तक के गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों का उपचार किया जाता है। इन विशेष संचालित इकाइयों में उपचार से 90 प्रतिशत से अधिक बच्चों का जीवन सुरक्षित किया जा रहा है तथा शासन द्वारा नवीन संस्थायें पीआईसीयू एनवीएसयू मैदानी स्तर पर सृजित कर अति गंभीर 10 प्रतिशत नवजात मृत्युओं सुरक्षित करने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। जिससे आगामी समय में शिशु मृत्यु दर में और गिरावट आएगी। इसी प्रकार विकासखंड मुख्यालय पर न्यू बोर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट संचालित है। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत जन्म के तुरंत बाद से 5 वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण स्वास्थ्य संस्थाओं एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में किया जाता है। जिले में 9 पोषण पुनर्वास केन्द्रों के 100 बिस्तरों में गंभीर कुपोषित बच्चों को भर्ती कर प्रबंधन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश शासन के इन संवेदनशील प्रयासों से जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में पिछले वर्षों की तुलना में 60-70 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है और मृत्यु दर में गिरावट निरंतर जारी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।